Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

इन सवालों के जवाबः

1034. दंडकारण्य में प्रवेश करने पर सीतारामलक्ष्मण की पहली मुलाकात किस व्यक्ति से हुई थी?

जे. वे आश्रम में ऋषियों से मिले।

1035. आप भगवान राम से क्या मांगते हैं?

जे. "राम, इस जंगल में कई राक्षस हैं, तो राम, कृपया हमें उनसे बचाएँ।

1036. दंडकारण्य में रामलक्ष्मण का सामना करने वाला पहला राक्षस कौन था? जे. दाता

1037. माता-पिता कौन हैं? जे. जय, शालदा

1038. दाता कैसे कपड़े पहनता है?

जे. अपनी अंदर की ओर दिखने वाली आँखों, भयानक पेट, पहाड़ जैसी आकृति, बड़े हाथों के साथ, कमर में लिपटे हुए, उस बड़े बाघ की त्वचा से खून बहाते हुए जिसे उसने अभी-अभी मार डाला था, अपने कंधे पर एक फंदा लगा लिया था, और फंदा लगाने के लिए 3 शेर, 4 बड़े बाघ, 2 भेड़िये, 10 मृग और एक हाथी के सिर थे।

1039. जब विराट ने राम और लक्ष्मण को देखा तो उन्होंने क्या किया?

जे. उसने उसे गोद में ले लिया और अपनी गोद में ले लिया।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1040. है। वीराधा ने राम-लक्ष्मी से क्या पूछा?

जे. "गरीब आदमी! आप कौन हैं? लिनन और जूते पहनकर, आप मुन्ना की तरह दिखते हैं, लेकिन आप मुन्ना नहीं हैं। आपके द्वारा पहनी जाने वाली तलवारें और धनुष यही कहते हैं। "क्या यह तुम्हारा है? "विराट ने सीता से पूछा। "तुम यहाँ क्यों घूम रहे हो? "उन्होंने पूछा।

1041. लक्ष्मण ने सीता के बारे में क्या कहा?

जे. "वह क्या करेगी? "लक्ष्मण ने पूछा।

1042. लक्ष्मण ने क्या जवाब दिया?

"मैं इस लड़की से शादी करूंगी। "उन्होंने कहा।

राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

"माफ़ करना! देखो सीता को किस तरह की पीड़ा हुई थी? मेरे पिता की मृत्यु और यह तथ्य कि मैं राजा नहीं बन सका, सीता को दुश्मन द्वारा पकड़ लेना एक बड़ा दुख है। वह रो पड़ा।

लक्ष्मण ने राम से क्या कहा?

जवाबः आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐ अन्ना! "उन्होंने कहा। "उठो! मैं इस राक्षस को देखूंगा। लक्ष्मण ने कहा, "मैं तीरों से जमीन पर गिरूंगा।

1045. दुश्मन ने राम-लक्ष्मणों से क्या कहा जो आपस में बात कर रहे थे?

"अगर मैं आपसे आपके बारे में पूछूं, तो मुझे बताएं कि आप कौन हैं।

तू यहाँ क्यों आया है? "उन्होंने कहा।

1046। वीराधुनी को राम का क्या जवाब था?

राम ने जवाब दिया कि उनका नाम राम, उनके भाई लक्ष्मण, उनकी पत्नी सीता हैं और वे अपने पैरों पर खड़े होकर जंगल में घूम रहे हैं।

नोटः-राम ने वीराधु से पूछा, आप कौन हैं और आप यहाँ क्यों घूम रहे हैं?

1047. किसने शत्रु को वरदान दिया ताकि वह किसी के द्वारा आहत या मारा न जाए? अ. भगवान ब्रह्मा

1048. राम को वीराधु से कब गुस्सा आया?

जब विराधा ने राम से कहा कि वह उससे मोहित है और उसे उसे यहाँ छोड़ देना चाहिए अन्यथा वह आपको मार देगा और आपको खा जाएगा।

1049. राम ने वीरा पर हमला कैसे किया?

ए. उन्होंने सोने का तीर मारा। तीर दुश्मन के दिल से गए और उसकी पीठ से आए। वे जमीन में घुस गए। वह दर्द सह नहीं पा रहा था।

1050. है। विराट ने राम-लक्ष्मण पर कौन सा हथियार फेंका था?

उन्होंने दोनों हाथों में एक ईख पकड़े हुए सीता को एक पेडिक्योर में जमीन पर लेटे हुए छोड़ दिया और राम और लक्ष्मण पर लिखा।

नोटः-राम लक्ष्मण ने बारिश की बौछार करके आने वाली विरोधी को रोक दिया।

योद्धा ने तीरों को अपने शरीर में घुसते देखा और चिल्लाया। सारी गोलियां जमीन पर गिर गईं। जब तीर जमीन पर गिरे, तो विराट ने उनके द्वारा लगाए गए घावों से बेहोश होकर, अपने हाथ में खंजर को राम पर निशाना बनाया और फेंक दिया। राम ने उस पर दो तीर दागे और उसे टुकड़ों में काट दिया। जब शुल टूट गया था, तब विराधना, नीचे झुकते हुए, राम-लक्ष्मी को ग्रहण करने वाली थी। साथ ही उन पर चाकू से हमला कर दिया। पीड़ित घायल हो गया।

किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वह लक्ष्मण को अपने कंधों पर लिए भाग गया। राम यह बात भूल गए थे। वह उसे वहाँ नहीं छोड़ना चाहता था। जब राम ने विराट को दौड़ते हुए देखा, तो उन्होंने लक्ष्मण से बात की। "यह दौड़ अच्छी है। वह बहुत तेजी से दौड़ता है। वह दक्षिण की ओर जा रहा है। हमने पैदल चलना कम कर दिया है। "सीता ने राम और लक्ष्मण को चलते देखा।

1051. सीता को क्या हुआ?

जवाबः "यार! कृपया उन्हें जाने दें! मुझे खाना खिलाओ "।

1052. लक्ष्मण ने आखिरकार वीराधु का सामना कैसे किया?

जे. उन दोनों ने सीता की चीख सुनी। ठीक हो जाते हैं। उनके कंधों पर चाकू से हमला किया गया। हाथ फिसलने पर विरोधी नीचे गिर गया। वह गिरे हुए राक्षस के ऊपर खड़ा हुआ और अपने पैरों से बहाया। उसने हाथ जोड़कर तालियाँ बजाईं। बंदूकें चलाई गईं।

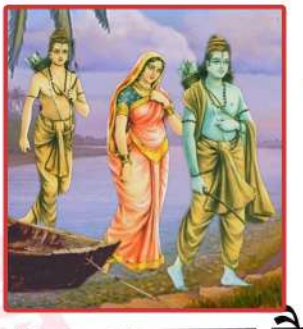

चाकू से काटें। लेकिन पीड़ित की मौत नहीं हुई। ऐसा प्रभाव पड़ता है। फिर उसने अपना पैर दानव के गले पर रखा और उसे जोर से दबाया।

1053. राम ने क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! चलो हाथी के लिए खुदाई करते हैं, और इस राक्षस के लिए एक गड्ढा। चलो उसे उस गड्ढे में डाल देते हैं। फिर वह मर जाता है। लक्ष्मण राम के आदेश का पालन करने के लिए तैयार थे।

नोटः छेद खोदा गया है। विराट ने राम की बातें सुनीं जैसे कि उन्होंने उन्हें नहीं सुना हो। उन्होंने लक्ष्मण को एक गड्ढा खोदते हुए भी देखा। इसने उन्हें अपने पिछले जन्म की याद दिला दी।

1054. अतीत में दुश्मन कौन था?

जे. तुम्ब्रु एक गंधर्व है।

1055. दुश्मन राक्षस में कैसे बदल गया?

जे. कुबेर के अभिशाप के कारण, वह एक राक्षस बन गया।

1056. भगवान कुबेर ने वीराधु को शाप क्यों दिया?

जे. राक्षस रंभा के प्रति अपनी वासना के कारण, तुम्ब्रु कुबेर के दरबार में नहीं गया। क्रोधित कुबेर ने उसे एक भयानक राक्षस के रूप में पैदा होने का श्राप दिया।

1057. कुबेर ने वीराधु से कहा कि वह अभिशाप से कैसे छुटकारा पा सकता है?

जे. "कुबेर ने कहा," "जिस दिन आप दशरथ के पुत्र राम द्वारा

मारे जाएंगे, आप अभिशाप से मुक्त हो जाएंगे और स्वर्ग में लौट आएंगे।"

1058. विराधाता ने रामलक्ष्मण से क्या अनुरोध किया?

जे. उन्होंने मुझे इस गड्ढे में दफनाने के लिए कहा।

1059. वीराधु द्वारा रामलक्ष्मी को क्या निर्देश दिया गया है?

जे. "आप इस दिशा में आधा मील की यात्रा करते हैं और शरभंगा महर्षि की यात्रा करते हैं। उसे हर तरह से शुभकामनाएं "।

1060. राम लक्ष्मण ने विराध का क्या किया?

ए. देर भी नहीं हुई है। पीड़ित कुएं में गिर गया। वे मिट्टी और पत्थरों से ढके हुए थे। वह आया और सीता के पास गया। उसने उसे बताया कि क्या हुआ था। वहाँ से यात्रा की। वे तीनों शरभंगा महर्षि के आश्रम पहुँचे।

1061. आश्रम में कौन आया था?

जे. देवेंद्र देवताओं के साथ अपने रथ पर सवार होकर साराभंगा मुनि के पास आए।

1062. भगवान शिव के रथ के घोड़े किस रंग के होते हैं? जे. हरा रंग

1063. भगवान राम ने क्या किया?

जे. गबागबा राम के आश्रम की ओर यह कहते हुए चले गए कि वह अब आएंगे और पता लगाएंगे कि इंद्र इस ऋषि से मिलने क्यों जा पाए।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1064.। इंद्र ने साराभंगा से क्या कहा जब उन्हें एहसास हुआ कि राम आ रहे हैं?

जे. "मौनी! राम आ रहा है। मैं राम को नहीं देखना चाहता। भगवान चाहते हैं कि जब बड़ा आयोजन होने वाला हो तो मैं उन्हें देखूं। मैं आ जाऊँगा। "इंद्र गब्गाबा आश्रम से बाहर आए।

1065. भगवान राम ने क्या माँगा?

जे. "तुम यहाँ क्यों आई हो? "उन्होंने पूछा।

1066. महर्षि साराभंगा ने राम को क्या जवाब दिया?

"तुम क्यों आई हो? तपस्या के कारण मुझे ब्रह्म-लोक प्राप्त हुआ है। यह कहकर वह अपने रास्ते चला गया। लेकिन मैंने कहा, मेरे प्रिय अतिथि आ गए हैं, और जब मैं उनका स्वागत करूंगा तो मैं आ जाऊंगा। राम! मैं तुम्हें वे संसार दूँगा जिन्हें मैंने अपनी तपस्या से जीत लिया है।

1067। राम ने ऋषि साराभंगा से क्या कहा?

जवाबः बहुत बढ़िया! तुम मेरे लिए क्या कर रहे हो? बस मुझे बताओ कि तुम कहाँ चाहते हो कि मैं आश्रम बनाऊं, और मैं वहाँ तपस्या करूँगा।

1068. महर्षि राम से किसकी मुलाकात हुई? ए. महर्षि सुतीक्षा

सुतीक्षा महर्षि का आश्रम कहाँ है? यह पूर्व की ओर बहने वाली मंदाकिनी नदी के ऊपरी हिस्सों में स्थित है।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1070. महर्षि साराभंगा ने भगवान राम से क्या पूछा?

"हे राम! मैं आपकी उपस्थिति में मर जाऊंगा। कृपया मुझे यह अवसर दें। "उन्होंने अनुरोध किया।

1071. साराभंगा ने महर्षि का बलिदान कैसे दिया?

आग बुझाई गई। राम को प्रणाम करने के बाद ऋषि साराभंगा ने अग्नि में प्रवेश किया। वह सुन्न हो गया। कुछ समय बाद, साराभंगा अपने किशोर शरीर के साथ उस आग से बाहर आए और ऋषियों और शाश्वत प्रकाश की दुनिया से परे ब्रह्मा की दुनिया में चले गए।

1072. साराभंगा आश्रम में सीताराम लक्ष्मण से किसकी मुलाकात हुई?

जब ऋषियों और ऋषियों को वीराधु की हत्या, साराभाना का सम्मान, और रघुरामा की धार्मिकता के बारे में पता चला, तो उन्हें एहसास हुआ कि वे उनके उद्धारकर्ता थे।

1073. राम के पास आने वाले ऋषि कौन थे?

वैखानस, वलखिल्य, संप्रदाय, मारीचा आदि जैसे महान ऋषि। आ गया।

1074. ऋषियों ने राम से क्या पूछा?

"हे राम! हम आपकी बात सुनने के लिए आए हैं। हम सभी चित्रकूट, मंदाकिनी और पम्पाना के क्षेत्रों में रह रहे थे और तपस्या कर रहे थे। यह सब तुम्हारा है! यह आपके राज्य में है!

अमरनाथ अमर

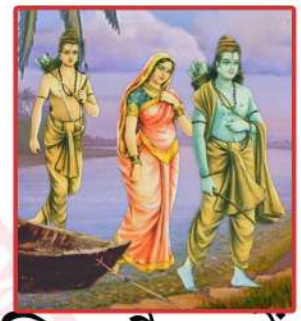

दुष्ट राक्षसों ने आपके राज्य के उस हिस्से पर कब्जा कर लिया है। हमें प्रताड़ित किया जा रहा है। आपको राजा और राजा के जंगलों में ऋषियों की रक्षा करनी होगी। यही कारण है कि मैं आपको बता रहा हूँ। "कृपया हमें इन राक्षसों से बचाएँ।

1075. राम ने क्या कहा?

जे. "जब तक आप आकर मुझसे भीख नहीं मांगते, तब तक ऐसा न करने के लिए कृपया मुझे माफ कर दें। मैं आश्रय दे रहा हूँ। मेरा लक्ष्य उन सभी राक्षसों को मारना है जो आज से आपको प्रताड़ित कर रहे हैं। अपने प्रयासों को जारी रखें। "राम ने कहा।

1076. महर्षि के साथ राम कहाँ गए?

जे. राम सभी ऋषियों के साथ सुतीक्षा के आश्रम गए।

1077. भगवान राम ने तपस्या करने वाले महर्षि सुतीक्षा से क्या प्रार्थना की थी?

जे. 'महाराज! मैं दशरथ का पुत्र हूँ। राम। मैं आपको नमस्कार करता हूँ, मेरी पत्नी सीता और मेरे भाई लक्ष्मण। मैं चाहता हूँ कि तुम मुझे देखो और मुझसे बात करो। "

ऋषि सुतीक्षा ने राम से क्या कहा था?

"मेरी प्रार्थनाओं का जवाब दिया गया है! मैंने स्वर्ग में प्रवेश किया। इंद्र आएगा, मैं भी तुम्हें ले जाऊंगा, अगर तुम आओगी तो मैं आऊंगी, मैं तुमसे मिलूंगी। मैंने तुम्हें देखा है।

खुश रहो "जब से तुम चित्रकूट आए हो तब से मैं तुम्हें ढूंढ रहा हूँ, तुम कब आओगे? मैं तुमसे कब मिलूँगा? इस जन्म के लिए इतना ही काफी है। "सतीशन ने कहा।

1079. राम ने सुतीक्षा महर्षि से क्या पूछा?

उन्होंने पूछा, "कृपया हमें रहने के लिए सही जगह दिखाएं।"

उस रात सीताराम-लक्ष्मण कहाँ सोए थे?

जे. सुतीक्षा महर्षि के आश्रम में सोती थीं।

1081. अगली सुबह सीताराम लक्ष्मण किस दिशा में रवाना हुए?

जे. ऋषियों और ऋषियों ने अपने आश्रमों का दौरा किया।

1082. सीता राम के बारे में क्या?

जे. "क्या आप इसके बजाय झूठ, पत्नियों की इच्छा को छोड़ देंगे और इस जंगल में भीख मांगेंगे? "यही सब कुछ है।

ध्यान दें: आपके लिए, जिन्होंने राज्य छोड़ दिया है, सत्य पर शासन करने के लिए झूठ की शरण लेना असंभव है। इसके अलावा, यह अकल्पनीय है कि आप, जो मौखिक और शारीरिक रूप से ब्रह्मचर्य का अभ्यास करते हैं, किसी अन्य महिला के बारे में सोचेंगे! दोनों वहां से चले गए। और तीसरी बात गाय का पैर मुंडवाना है। राम ने उसकी ओर देखा। "मैं चाहता हूँ कि तुम इसे छोड़ दो। सीता ने कहा।

1083. राम ने क्या कहा?

जे. "सिया! यदि राक्षस उन्हें चोट पहुँचा रहे हैं

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

तो उन्हें बचाने के लिए ऋषियों ने आरती के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। मैंने उनसे नहीं पूछा, वे मेरे पास आए। तुम्हें पता है कि मैं कितना शर्मिंदा था। अगर उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ता है क्योंकि मैं क्षत्रिय हूं, तो मुझे उस कठिनाई को जानना चाहिए और राक्षस को मारना चाहिए और तपस्वियों को तपस्या करने के लिए मजबूर करना चाहिए। मैंने उनसे नहीं पूछा कि क्या वे मुसीबत में हैं, और मैंने खुद को दुष्ट नहीं माना। मैंने ऐसा कुछ नहीं किया, वे मेरे पास आए और आत्मसमर्पण कर दिया, फिर मैंने कसम खाई। "उन्होंने कहा।

1084. सीताराम-लक्ष्मण कहाँ पहुँचे हैं?

जे. एक झील पर पहुंचे।

1085. है। झील से कौन सी आवाज़ आ रही है?

जे. झील से संगीत सुना जा रहा है, नृत्य की आवाज सुनी जा रही है, गीत सुने जा रहे हैं।

1086. राम ने झील के बारे में किससे पूछा? जे. एक ऋषि ने पूछा।

1087. झील का निर्माण किसने किया? जे. मंदकर्णी नामक एक ऋषि

1088. मंदाकर्णी ने कितने वर्षों तक तपस्या की? जे. दस हजार वर्ष

1089. है। मंदाकर्णी की तपस्या से कौन डरता है? जे. अष्टाधिकर

1090.। अष्टादिकपाल ऋषि की तपस्या से क्यों डरते थे?

जे. अष्टादिकपालों को डर था कि वे तपस्या के

अमरनाथ अमर

माध्यम से उनके पदों पर कब्जा कर लेंगे।

1091. अष्टादिकपालक ने ऋषि की तपस्या को बाधित करने के लिए क्या किया?

जे. उन्होंने अपनी तपस्या तोड़ने के लिए पाँच अप्सराएँ भेजीं।

1092. ऋषि अपने तपस्या के साथ कैसे बदल गए?

जे. वह एक जवान आदमी बन गया।

1093. उस युवा ऋषि ने क्या किया?

जे. उन्होंने एक विधवा से शादी की।

1094.। मंदकर्णी का निर्माण ऋषि सरसु ने किसके लिए किया था?

जे. ऊपर के लिए।

1095. ऋषि ने उनके रहने के लिए घर कहाँ बनाया था?

जे. यह झील के तल पर बनाया गया था।

1096. झील में कौन है?

जे. ऋषि की पत्नियों (अप्सरा) द्वारा गाए गए गीत, बजाई जाने वाली वाद्ययंत्रों की आवाज़ें बाहर आवाज़ सुनाई देती है।

1097. राम ने जंगल के आश्रमों में कितने साल बिताए?

जे. 10 साल का समय

नोटः-राम ने प्रत्येक आश्रम में कुछ समय बिताया, एक में 6 महीने, दूसरे में 9 महीने और दूसरे में 1 साल। 10 साल हो गए हैं। इन 10 वर्षों के दौरान, राम ने तपसुल के सभी

आश्रमों का दौरा किया।

1098. सीताराम लक्ष्मण आश्रमों में कहाँ गए थे?

जे. वह आश्रम गया।

1099. राम ने सुतीक्षा से किस महर्षि के बारे में पूछा?

जे. अगस्त्य महर्षि

1100 .है। अगस्त्य जाने से पहले सुतीक्षा महर्षि किससे मिलने गए थे?

जे. अगस्त्य महर्षि के भाई से मिलना चाहते थे।

1101. अगस्त्य का भाई कौन है?

जे. सुदर्शन महर्षि (अगस्त्य)

1102. राजद्रोह का क्या अर्थ है?

जे. चूंकि राम का जन्म राजा रघु के वंश में हुआ था, इसलिए उन्हें राघव कहा जाता था, और चूंकि वे अगस्त्य के छोटे भाई थे, इसलिए उन्हें अगस्त्य ब्रत कहा जाता था।

1103. सुदर्शन महर्षि का आश्रम कहाँ है?

जे. सुतीक्षा महर्षि के आश्रम से दक्षिण की ओर चार योजनाओं की दूरी पर है।

1104. अगस्त्य महर्षि का आश्रम कहाँ है?

जे. यह सुदर्शन महर्षि के आश्रम से एक योजना की दूरी पर स्थित है।

1105. दक्षिण में वैदिक ज्ञान का प्रसार किसने किया?

जे. अगस्त्य महर्षि

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1106. अतीत में विंध्य पर्वत कितना चौड़ा था?

जे. अतीत में, विंध्य पश्चिम से पूर्व तक, उत्तर और दक्षिण के बीच फैले हुए थे।

1107. इच्छा क्या है?

जे. वह वैसा ही करना चाहता था जैसे सूरज मेरु पर्वत के चारों ओर घूमता है। यही कारण है कि यह इतना ऊँचा है।

1108. विंध्य पर्वत से किसकी आवाजाही बाधित हुई?

जे. ऊँचाई ने सूरज की गति को बाधित किया। संसार में उथल-पुथल मच गई। देवताओं ने इस भ्रम को समाप्त कर दिया।

1109. देवताओं ने किससे प्रार्थना की? जे. अगस्त्य महर्षि

1110. ऋषि अगस्त्य की पत्नी कौन है? जे. दोषपूर्ण

नोटः महर्षि ने अपनी पत्नी के साथ उत्तर से दक्षिण की यात्रा की। वह पहाड़ के पास पहुँचा। विंध्य ने महर्षि को देखा। उन्होंने उनसे हाथ मिलाया और उनका अभिवादन किया। उन्होंने वह सब कुछ किया जो वह कर सकते थे।

1111. अगस्त्य ने अदालत को क्या आदेश दिया?

जे. "खुशी अच्छी है, लेकिन हमें आपसे आगे जाना है। तुम दोनों बूढ़े हो! आपको कम करना होगा। नीचे उतरें और जमीन पर उतरें। "अगस्त्य ने पूछा।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1112. विंध्य ने अगस्त्य महर्षि के आदेश को क्यों स्वीकार किया?

जे. विंध्य महर्षि की अपार शक्ति को जानता है। यदि नहीं, तो वह करेगा। इसलिए उसने सिर हिलाया। वह जमीन पर गिर पड़ा। अगस्त्य ने अपनी पत्नी के साथ विंध्य पर्वत को पार किया। आशीर्वाद दिया।

1113. पहाड़ पार करने के बाद अगस्त्य ने विंध्य से क्या कहा?

जे. हमें फिर से रास्ते पर लौटने की जरूरत है। जब तक हम आपके पास नहीं पहुंच जाते, तब तक जमीन पर रहें। "अगस्त्य ने कहा। यह ठीक है। वह वैसा ही रहा। लेकिन वह उस दिशा में वापस नहीं आया। अगस्त्य ने आपकी बात नहीं सुनी। सूर्य और चंद्रमा के गुजरने की बाधा दूर होने पर देवताओं ने खुशी मनाई। "

1114. जंगल में रहने वाले राक्षस कौन थे? जे. वातापी, इल्वालुडु

1115. उन्होंने भोजन के लिए क्या किया?

जे. उन्होंने जंगल में रहने वाले ब्राह्मणों को धोखा दिया, उन्हें मार डाला और खा लिया।

1116. उसने क्या पहना था? जे. ब्राह्मण पोशाक

1117. यह कैसे बदल गया? जे. वह एक भेड़ बन गया।

1118. उपहार क्या है?

जे. चाहे उसके शरीर के कितने भी टुकड़े काट दिए जाएं, वह पीछे हट जाता है और हमेशा की तरह रहता है।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1119. वातापी और इल्वालु ने ब्राह्मणों को कैसे धोखा दिया?

जे. वे ब्राह्मण के रूप में ब्राह्मणों के आश्रमों में जाते थे और उन्हें भोक्ता कहते थे कि उनके घर में श्राद्ध है। उन्होंने वातापी को मार डाला, जो उन ब्राह्मणों के लिए बकरी बन गया था, जिन्हें फोन आया था, उन्होंने मांस पकाया और उन्हें परोसा। इल्वालु ही था जो वातापी को के. के. सी. के नाम से बुलाता था जब ब्राह्मण प्यार से मांस खाकर श्रद्धांजलि दे रहे थे। उन्हें 'भाई' कहा जाता था। वातापी, जो ब्राह्मणों के पेट में मांस के रूप में था, ने अन्ना का निमंत्रण प्राप्त किया और उनके पेट फाड़कर जीवित बाहर आ गया। वह आया और अपने भाई इल्वालु के साथ मृत ब्राह्मणों को धोया।

नोटः-इस तरह दोनों भाइयों ने कई ब्राह्मणों को मार डाला। आश्रमों में ब्राह्मण दिन-ब-दिन गायब हो रहे हैं।

1120. ब्राह्मणों ने किससे उन्हें बचाने के लिए कहा?

जे. अगस्त्य महर्षि

1121. रात्रिभोज में किसे आमंत्रित किया गया था?

जे. अगस्त्य महर्षि

1122. लंच के बाद क्या हुआ?

जे. उन्होंने कहा, "पाचन ही पाचन है।"

1123. किसने किस पर हमला किया?

जे. अवैध है।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1124. अगस्त्य ने इल्वाला को कैसे मारा?

जे. अगस्त्य ने अपनी तपस्या की शक्ति से इल्वालु को नष्ट कर दिया।

1125. वह कौन सा स्थान है जहाँ अगस्त्य ने वातापी और इल्वालुदी को मार डाला था?

जे. अगस्त्य ब्रत आश्रम

नोटः सीतारामलक्ष्मण अगस्त्य के आश्रम पहुंचे और उनकी पूजा की और रात भर वहीं रहे। अगले दिन सीतारामलक्ष्मण अगस्त्य के आश्रम पहुँचे।

1126. अगस्त्य के निवास पर कौन आया था?

जे. देवता उनके आश्रम आते थे, अपने-अपने स्थानों पर बैठते थे और अगस्त्य की पूजा करते थे।

1127. किसकी पूजा की जाती है? जे. भगवान शिव की पूजा करें।

1128. अगस्त्य के आश्रम में कौन नहीं बैठ सकता?

जे. जो झूठ नहीं बोलता, जो क्रूर है, जो धोखेबाज है, जो बदमाशी करता है, जो हमेशा इच्छाओं से भरा रहता है, वह उस आश्रम में जाकर नहीं बैठता।

1129. महर्षि अगस्त्य के आश्रम में प्रवेश करने वाले पहले व्यक्ति कौन थे?

जे. लक्ष्मण

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1130. लक्ष्मण को राम के आगमन के बारे में बताने वाला पहला व्यक्ति कौन था?

जे. अगस्त्य महर्षि ने शिष्य से कहा।

1131. अगस्त्य महर्षि ने अपने शिष्य से क्या कहा?

जे. इतने लंबे समय तक राम-लक्ष्मण को बाहर लाना मेरे लिए क्यों संभव था?

1132. सीतारामलक्ष्मण के आने पर अगस्त्य महर्षि कहाँ थे?

जे. आग के घर में

1133. इन दोनों में से किस काम को पहले करना चाहिए?

जे. आग।

1134. अगस्त्य ने राम को कौन से हथियार दिए थे?

जे. तलवारें, धनुष और तीर।

1135. अगस्त्य द्वारा दिए गए धनु राशि के तीर कौन थे?

जे. भगवान विष्णु

1136. गदहा कौन है? जे. इंद्र

1137. राम ने क्या कहा?

जे. उन्होंने कहा, "यह अंतिम चरण में है। वहाँ वापस जाने की कोई आवश्यकता नहीं है। बाकी समय यहाँ मेरे साथ रहो। हर दिन अपनी देखभाल करने का अवसर प्राप्त करें। "अगस्त्य ने पूछा।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1138. राम ने क्या जवाब दिया?

जे. "आपके प्यार के लिए धन्यवाद। हम, जिन्होंने दंडक के ऋषियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी ली है, उन्हें उनके कल्याण के बारे में पता होना चाहिए। यह उनके बीच होना चाहिए। इसलिए हम उन ऋषियों के बीच रहना चाहते हैं। अगर आप कुछ और सोचते हैं, तो आइए हम एक झोपड़ी बनाएं और आपको एक ऐसी जगह दिखाएं जहाँ आप आनंद ले सकें।

1139. अगस्त्य ने सीता लक्ष्मण के रहने के लिए किस स्थान का सुझाव दिया था? जे. पंचवटी

1140 पंचवटी के पास कौन सी नदी बहती है? जे. गोदावरी

1141. सीताराम लक्ष्मण ने पंचवटी के रास्ते में कौन सा पक्षी देखा था?

जे. जटायु

1142. जटायु किस पेड़ पर बैठा है?

जे. बरगद का पेड़ (बरगद का पेड़)

1143. पिता कौन है? जे. अनुरा/अरुणा

1144. वह कौन है? जे. सूर्यवंशी

1145. तेरा भाई कौन है? जे. धन-दौलत

1146। राम ने क्या किया?

जे. इसमें कोई संदेह नहीं है कि वृद्धावस्था से अंधे हुए जटायु को देखकर राम ने सोचा कि राक्षस स्वयं इसी रूप में है।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1147. मित्र कौन है? जे. दशरथ

1148. राम ने क्या किया?

"तुम कौन हो? तुम यहाँ क्यों हो? मुझे अपना विवरण दें। "उन्होंने पूछा।

नोटः-जटायु ने राम को प्रजापतियों और उनकी संतानों के बारे में समझाया। सीतारामलक्ष्मण जटायु के साथ पंचवती पहुँचे।

1149. राम ने क्या कहा?

"लक्ष्मण! तालाब के पास एक उपयुक्त स्थान निर्धारित करें, जहाँ पास में फलों के पेड़ हैं, जहाँ दरबल और समितियाँ पाई जा सकती हैं।

1150.। लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. राम! निर्णय लेने के लिए आपसे बेहतर कोई नहीं है। तुम साली जगह तय करो और मैं वहाँ एक सुंदर मठ बनाऊंगा।

1151. लक्ष्मण ने परनासाला का निर्माण कैसे किया?

यह कहने में देर होने पर, लक्ष्मण भागने लगे और लंबे बाल, पतले बाल, चमेली की टहनियाँ, लिनन और नलियाँ इकट्ठा कीं। उन्होंने नींव रखी। उन्होंने दीवारों को खंभों में तराशा। हर तरफ दीवारें थीं। उन्होंने पेड़ों और झाड़ियों की शाखाओं को लिनन से स्तंभों से जोड़ा। उन्होंने नक्काशी को छत से ढक दिया और फिर से पतले नक्काशी को ऊपर से बांध दिया। उन्होंने सामने के बरामदे और पीछे के बरामदे के साथ एक बड़ा घर बनाया।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1152. जब लक्ष्मण ने महल देखा तो राम ने उससे क्या कहा?

जब राम ने महल देखा, तो उन्होंने कहा, "आपने क्या किया है, और आपने जो किया है उसके लिए मैं आपको क्या दे सकता हूं?" क्या आप जानते हैं कि मैं क्या उपहार दे सकता हूँ? आप भावना के कारण, कृतज्ञता के कारण, धार्मिकता के कारण मेरे भाई नहीं हैं, बल्कि आप मेरे पिता हैं। राजा दशरथ नहीं गए।

तुम मेरे रूप में हो। उन्होंने कहा, "मैं कितना भाग्यशाली हूं।

1153. सीता ने क्या देखा?

जे.: उन्होंने कहा, "वह बहुत सी बातें जानते हैं।

1154. किसने कहा, "कभी-कभी मुझे अयोध्या जाने और भारत देखने का मन करता है"?

ए. राम

1155. राम ने किस अवसर पर कहा था कि उन्हें भारत को देखने आना चाहिए?

जे. भगवान राम ने सुबह गोदावरी नदी में स्नान करते हुए लक्ष्मण से ये शब्द कहे।

नोटः महर्षि वाल्मीकि का कहना है कि अगर तीनों सीतारामालक्ष्मी स्नान करते हैं और गीले कपड़ों के साथ खड़े होते हैं, तो वे नंदिकेश्वर के साथ पार्वती परमेश्वर की तरह दिखते हैं, जो स्नान करने के बाद अभी-अभी बाहर आए हैं।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1156. जटायु ने राम से क्या कहा?

हे राम! मैं यहां लंबे समय से आ रहा हूं और मैं अपने रिश्तेदारों और दोस्तों से मिलना चाहता हूं।

नोटः राम खुशी से राजी हो गए और जटायु चले गए।

1157. दानव कौन है? जे. शूर्पनखा।

1158. असली नाम क्या है? जे. मीनाक्षी

1159. माता-पिता कौन हैं? जे. आराम करो, आराम करो।

1160. पति कौन है? जे. बिजली मिस्त्री

1161. भाई कौन हैं?

जे. रावण, कुंभकर्ण, विभीषण, खारा और भुल्लन।

1162. तुम्हारा चेहरा कैसा है? जे. यह बहुत अजीब है।

1163. आपने भीड़ में किसे देखा? जे. मैंने सीताराम को देखा।

1164. उसने किसे देखा? जे. श्री राम

1165. शूर्पनखा ने श्री राम को देखकर क्या किया?

जे. वे राम की सुंदरता से मोहित थे। पास की झील पर पैदल जाएँ। उसने अपना प्रतिबिंब देखा। बड़े स्तन, बड़े स्तन, बड़े स्तन, बड़े स्तन मैंने सोचा कि यह अच्छा है।

1166. उसने किस तरह की पोशाक पहनी थी?

जे. यह मानव बन गया है। सुंदर तरीके से बनाया गया है।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1167. वह मनुष्य कैसे बन गया?

जे. शूर्पनखा अपने वांछित रूप को प्राप्त करने के वरदान के कारण एक इंसान बन गई।

1168. राम ने क्या पूछा?

जे. "उन्होंने मास्क और दस्ताने पहने हुए थे। तुम्हारे पास हथियार हैं। तुम एक छोटे लड़के के सामने बैठे हो। आप कौन हैं? "उन्होंने पूछा।

1169. शूर्पनखा को श्रीराम का क्या जवाब था?

जे. "मेरा नाम राम है। मैं सबसे बड़ा बेटा हूँ। वे मेरी पत्नी सीता हैं। वे मेरे भाई लक्ष्मण हैं। "उन्होंने कहा।

1170. भगवान राम ने क्या कहा?

जे. "ठीक है, तुम कौन हो? अगर आप एक महिला हैं और आप इस जंगल में बिना किसी डर के चल रही हैं, तो क्या आप एक दानव नहीं हैं, तो आप यहां क्यों आए हैं? "राम ने पूछा।

1171. शूर्पनखा ने अपना परिचय कैसे दिया?

"आपका अनुमान सही है! मैं एक राक्षस हूँ! मेरा नाम शूर्पनखा है। मैं एक इंसान के रूप में आपके सामने खड़ा हूं... आपको यह बताने के लिए कि मुझे वांछित रूप मिल सकता है! यह सब हमारा है! आपने राक्षस राजा रावण का नाम जरूर सुना होगा। वह मुझसे बड़े हैं। महाभारत कुंभकर्ण हमारे दूसरे भाई हैं। वह हमारा तीसरा भाई है। 'यही तो है।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1172. सीताम्मा किसके नाम से डरती थी? ए. रावण

1173 जब सीता ने रावण का नाम सुना तो उसने क्या किया?

रावण का नाम सुनकर सीता को डर क्यों लगा? रामू के कंधे कस गए।

1174. शूर्पनखा ने भगवान राम से क्या पूछा?

उसने उससे शादी करने के लिए कहा।

1175 राम ने शूर्पनखा से क्या कहा?

"मेरी शादी हो चुकी है। यह मेरी पत्नी है। "उन्होंने कहा।

1176. सीता को देखने वाले शूर्पनखा राम का क्या हुआ?

यह कौन है, यह बहुत घृणित है। यह तुम्हारी पत्नी नहीं है, मैं तुम्हारे योग्य नहीं हूँ। यदि आप मुझे स्वीकार करते हैं, तो मैं पहले उसे खा लूंगा, फिर आपके भाई को, और फिर हम इस जंगल में स्वतंत्र रूप से घूम सकेंगे।

1177. राम ने क्या कहा?

जे. यदि एक महिला, जिसने एक विशेष वासना और एक पुरुष प्राप्त कर लिया है, गुणों को भूल जाती है, अपना मुंह खोलती है और जब वह पूछता है तो उसे स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर देती है, तो उसके मन को इसका पछतावा होगा। चूँकि वह एक महिला के दिल को चोट पहुँचाने के लिए बात नहीं करना चाहता था, इसलिए उसने सोचा कि अगर वह थोड़ी देर के लिए मुड़ गया, तो वह उसे फेंक देगा।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1178. रामू ने क्या कहा?

जे. अगर मेरा भाई, जो हर तरह से मेरे जैसा है, जो वैभव से भरा है और जो लंबे समय से महिलाओं के आराम से दूर है, मुझे चाहता है, तो मुझे उसकी पत्नी बनने दें।

1179. शूर्पनखा ने लक्ष्मण से क्या कहा?

जवाबः वाह! तुम मेरे भाई नहीं हो, तुम मेरे दोस्त हो। पत्नी के रूप में स्वीकार करें। चलो जंगल में चलते हैं। चलो पहाड़ों पर चलते हैं। चलो गुफाओं में चलते हैं। "यह एक प्रहसन है।

1180. लक्ष्मण ने शूर्पनखा से क्या कहा?

तब लक्ष्मण ने कहा, "मैं एक गुलाम हूँ, और अगर तुम मुझे बांधोगे, तो तुम एक गुलाम बन जाओगे। इसलिए मेरे भाई से मत पूछो। जब हम आप जैसी सुंदर महिला को देखते हैं, तो हमारा बड़ा भाई हमारी बड़ी साली के साथ कैसे रहता है? वह उसे छोड़ देगा और तुम्हारे साथ रहेगा, इसलिए हमारे भाई से पूछो।

1181. कौन किसे मारना चाहता था?

जे. शूर्पनखा सितम्मा को मारने के इरादे से एक भयानक रूप से उस पर गिर गई। इस डर से कि शूर्पनखा उस पर गिर जाएगी, सीतम्मा हिरण की तरह वापस चली गई।

1182. राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. "इस राक्षस के साथ मज़ाक करना हमारी गलती है।

अमरनाथ अमर

इस गद्दार को दंडित किया जाना चाहिए। इस कामिनी को कुरूप बनाएँ और देखें कि आप बुद्धि के साथ जीवित हैं। "राम ने कहा।

1183. लक्ष्मण ने शूर्पनखा को कैसे दंडित किया?

जे. लक्ष्मण ने तुरंत आदेश का पालन किया। उसने रस्सी को पकड़ लिया। उसने उसका गला काट दिया और चाकू से उसका गला काट दिया। उन्होंने शूर्पनखा को दोनों हाथों से पहाड़ पर उठाया और राक्षस को घाटी में फेंक दिया।

1184. उसे सबसे पहले कौन बताता था कि क्या हुआ था?

जे. उसने अपने भाई को बताया।

1185. उसने क्या माँगा?

जे. उन्होंने कहा, "आपकी ताकत अपार है। आपके सामने कोई खड़ा नहीं हो सकता। उनके पास आवश्यक शक्ति है। आप किस चीज से बने हैं? यह तुम्हारे साथ किसने किया? "उन्होंने पूछा।

1186. सवाल का जवाब क्या है?

जे. "क्या आप जानते हैं कि यह किसने किया? "उन्होंने पूछा। राजा दशरथ और राम लक्ष्मण। वे पंचवटी में थे, राम लक्ष्मण के साथ सीता नाम की एक सोने की गुड़िया भी थी। मैं उसका खून पीना चाहता था, मैं उस पर गिर गया, और फिर... दोनों भाइयों ने मुझे इस तरह बनाया।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1187. इच्छा क्या है?

जे. भाई! उन्होंने कहा, "मेरी केवल एक ही इच्छा है। तुम्हें राम को मारना है। अगर उसमें से झागदार, उबलता हुआ गर्म खून निकलता है, तो मैं उस खून को अपने लौकी से पकड़कर पीना चाहता हूं, तो क्या मेरी इच्छा पूरी होगी?

1188. सवाल का जवाब क्या है?

जे. "काश", उसने कहा, "मैं तुम्हारी इच्छा पूरी नहीं कर पाऊंगा।

1189. खारा ने सीताराम लक्ष्मण की हत्या का काम किसे सौंपा?

जे. उनके साथ 14 सैनिक थे।

1190. उसने अपने सैनिकों को क्या बताया?

जे. "तुम तुरंत जाओ और उन राम-लक्ष्मणों को मार डालो। साथ ही, उस सीता का जूता ले आओ और उसे यहाँ ले आओ।

1191. सबसे पहले राक्षसों से कौन लड़ना चाहता था? जे. लक्ष्मण

1192. लक्ष्मण से कौन नाराज था? जे. श्री राम

1193. राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. "जाओ अपनी बहन से मिलो। मैं उन्हें देख लूंगा।"

1194। राम ने राक्षसों से क्या कहा?

जे. "हम मुसलमान हैं। वे दशरथ महाराज के पुत्र हैं। जैसा कि आप देख सकते हैं, वे लिनन, ब्रैड पहनते हैं और भोजन के रूप में फलों पर रहते हैं। थप्पड़। हमारे खिलाफ कोई युद्ध नहीं है।

अमरनाथ अमर

"उन्होंने कहा।

1195. भगवान राम ने राक्षसों से क्या कहा?

जे. "लेकिन इस दंडक में, हम आपके राक्षसों को नष्ट कर रहे हैं जो ऋषियों को सताते हैं। हम इसे निर्देशों के अनुसार कर रहे हैं। अगर आपमें यह कहने का साहस है, तो युद्ध में आएं। यदि नहीं, तो सही रास्ते पर चलें। "उन्होंने आगाह किया।

1196. राक्षस भगवान राम को क्या कहते हैं?

जे. "हम आपके साथ लड़ेंगे। "राक्षसों। "आपने हमारे राजा को बहुत क्रोधित किया है। छोड़ दो तुम्हें। "उन्होंने कहा। उन्होंने कहा, "इसे अपने पास रखिए।

1197. राम ने राक्षसों को कैसे मारा?

जे. राक्षसों ने राम पर खंजर और भाले फेंके। हथियार हवा में हैं। राम ने अपने तीर से उन्हें टुकड़ों में काट दिया। टूटे हुए हथियारों से आश्चर्यचकित होकर, राम ने चौदह तीर छोड़े जैसे कि चौदह सैनिक एक ही समय में मरने वाले थे। उसी समय, तीरों ने चौदह लोगों के दिलों को छेद दिया और गर्म खून के साथ पीठ से बाहर निकल आए। वे पृथ्वी में प्रवेश कर गए और गायब हो गए। चौदह सैनिकों की उंगलियां पेड़ों की तरह गिर गईं। मर गया।

1198. राम द्वारा राक्षसों को मारने के बाद शूर्पनखा कहाँ गई?

जे. शूर्पनखा पराक्रमी और चौदह सेनापतियों को एक ही समय में

मरते हुए नहीं देख सकी। धमकी दी। शूर्पनखा उससे दूर भाग गई, एक लंबी दूरी तक चलती हुई, धीरे-धीरे चलती हुई, इस डर से कि ध्वनि राम को कहीं मार देगी। वह उसके सामने रोया।

1199. भालू ने क्या देखा?

जे. अगर अजेय सेनापति अपनी जीत की खबर सुनना चाहते हैं... मेरी बहन क्यों रो रही है? क्या होगा? वह चिंतित था।

1200 है। उसने क्या माँगा?

जे. क्या हो गया है? क्या हम इंसान नहीं हैं? क्या हुआ? " उन्होंने सवाल किया।

1201. क्या थी चेतावनी?

जे. "क्या आपको कुत्तों से डर लगता है? क्या तुम कायर बन गए हो? क्या आप भूलना चाहते हैं कि आपकी बहन के साथ क्या हुआ था? अरे वाह! यदि आप राम और लक्ष्मण के साथ युद्ध नहीं करेंगे, तो आपको यह स्थान नहीं मिलेगा। आप इस पद के योग्य नहीं हैं! वे राम-लक्ष्मण हमें माफ नहीं करेंगे। वे अब हमला करने जा रहे हैं। तुम्हें सिंहासन से हटा दिया जाएगा और आपका खून देखा जाएगा।

1202. खारा ने गुस्से में शूर्पनखा से क्या कहा?

उन्होंने कहा, "मेरे साथ जो हुआ उससे मैं शर्मिंदा हूं। मुझे इतना गुस्सा आता है कि मैं प्रतिशोध की आग की लपटों में घिर जाता हूं। अगर मैं किसी आदमी से डरता हूं, तो मैं उसे मार दूंगा।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1203-खारा ने कितने लोगों के साथ राम के खिलाफ युद्ध किया?

14, 000 की सेना के साथ

1204. खारुनी के आसपास कितने दानव सेनापति हैं?

इसमें 12 लोग शामिल हैं।

1205. राम - लक्ष्मण के खिलाफ युद्ध में खारुण के साथ कौन से राक्षस थे?

ए. भुल्लन, त्रिसिरासक, प्रमध्य,
स्थुलक्ष, महाकपाल आदि जैसे भयानक राक्षस। भी चला गया।

1206. रास्ते में वाहक को क्या अशुभ शकुन दिखाई देते हैं?

उन पर खून बह रहा था। गैसें ऋणात्मक होती हैं। धरती कांप उठी। बादलों की झड़ी लग गई। पक्षियों और जानवरों ने शोर मचाया। इसके बावजूद वह नहीं झुके।

1207. खार ने अपने सैनिकों को क्या करने का आदेश दिया?

ए. सैनिकों, इन उत्पादों से डरो मत। यह सिर्फ हम नहीं हैं जो डरते हैं। राम-लक्ष्मण को मार डालो लेकिन हमें वापस नहीं जाना चाहिए। "उसने आज्ञा दी।

1208. उन्होंने खुद को कैसे साबित किया?

जे. वह खुद से यह कहकर सेना को प्रोत्साहित करता रहा कि अगर उसे लगता है कि वह देवेंद्र को भी मार सकता है, तो इनमें से कितने लोग हैं।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1209. सैनिक कौन हैं?

जे. श्यानागामी, पृथुग्रीव, कालकर्मुका, यज्ञशत्रू, सर्वसु, दुर्जय, मेघमाली, परूषा, महामाली, विहंग, रुदिरासन और करवीरक्ष।

1210. राक्षस कौन हैं?

जे. स्थुलक्ष, प्रमादी, महाकपाल और त्रिसिरु ध्वनि करते हुए चलते गए।

1211. राम और राक्षसों के बीच युद्ध देखने कौन आया था?

जे. देव गंधर्व, यक्ष, किनार, महर्षि और सिद्ध युद्ध देखने के लिए हवाई जहाज़ों में इकट्ठा हुए।

1212. महर्षि ने लक्ष्मण को क्या आशीर्वाद दिया?

जे. "भगवान राम की जय हो! दुष्ट लोगों को मार डालो! आप लोगों को शुभकामनाएं। "भगवान राम की जय हो। दुष्ट लोगों को मारने की जरूरत है। उन्होंने भक्तों को शुभकामनाएं दी।

1213. आकाश में जो हुआ उसे देखकर राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! पृथ्वी के हिलते ही बाहरी प्रांगण में धनुष उछलता है, और तीरों के चारों ओर धुआं उठता है, और तीरंदाज़ खुश होते हैं कि एक बड़ी लड़ाई आ रही है। जैसे ही दूर से पक्षी की चहचहाहट होती है, इस लड़ाई में जीत भगवान के निर्णय होते हैं। चूंकि मेरा बायां कंधा हिल रहा है, मुझे लगता है कि हम निश्चित रूप से जीतेंगे। "उन्होंने कहा।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1214. राक्षसों से लड़ने की तैयारी कर रहे लक्ष्मण से राम ने क्या कहा?

जे. लक्ष्मण! आप महान हैं। आने वाली सभी सेनाएँ मजबूत हैं। लेकिन चूंकि मैंने महर्षि की रक्षा करने का संकल्प लिया है, इसलिए मैं इन सभी राक्षसों को खुद मार दूंगा। "इस समय सीता की रक्षा भी एक युद्ध की तरह है! तुम बोझ उठाओ। धनुष और तीर प्राप्त करते हुए, उन्होंने सीता को गुफा में रखा और उनकी रक्षा की। मैं युद्ध समाप्त होने के तुरंत बाद आकर आपसे मिलूंगा। "राम ने कहा।

1215. युद्ध की शुरुआत में ऋषि वाल्मीकि ने भगवान राम की तुलना किसके साथ की थी?

जे. दक्ष की तुलना भगवान शिव, रुद्र से की जाती है जो यज्ञ को नष्ट करने आए थे।

1216. राक्षसों ने राम को कैसे चोट पहुँचाई?

जे. सभी राक्षसों ने खंजर, खंजर, चाकू, तलवारें फेंकी और राम को घायल कर दिया। लेकिन राम ने हार नहीं मानी।

1217. राम राक्षसों को कैसे मारते हैं?

जे. उसने तीरों की मदद से दुश्मन के सभी हथियारों को नष्ट कर दिया। अगर राम मुझे अपने कानों तक खींचते हैं और यमदा की तरह तीर चलाते हैं... गोलियां उनके सिर, गर्दन, हाथों और जांघों में लगी थीं। हाथी टूटे हुए पैरों और दांतों के साथ पहाड़ी से नीचे गिर गए। घोड़ों ने रथ, झंडे और झंडे तोड़ दिए। खून बह रहा था।

अमरनाथ अमर

बाकी सेना हजारों लोगों को अपनी आंखों के सामने गिरते हुए देखकर डरी हुई थी।

1218. राक्षसी सेना को किसने साहस दिया?

जे. दुर्व्यवहार करने वाला

1219. राम ने राक्षसों के खिलाफ किस हथियार का इस्तेमाल किया?

जे. सेना ने राम को घेर लिया।

राम पर तलवारें, भाले और तीर फेंके गए। भगवान राम ने गंधर्वस्त्र का प्रयोग किया।

1220. राम ने राक्षस से कैसे निपटा?

जे. राक्षस ने राम पर हीरे जैसे तीरों का इस्तेमाल किया। तीरों के आते ही उन्हें तोड़ते हुए राम ने राक्षस को तीर से छेद दिया। उसने अपने घोड़ों को जमीन पर फेंक दिया।

1221. राम की हत्या कैसे हुई?

जे. उसने राजा को तलवार से मार डाला।

1222. राम की हत्या कैसे हुई?

जे. राम ने राक्षस को नष्ट करने के लिए अपने दोनों हाथों में दो तीरों का इस्तेमाल किया। पीड़ित के हाथ काट दिए गए थे। वह गिर गया और उसकी मौत हो गई।

1223. राक्षस की मृत्यु के बाद राम के खिलाफ कौन युद्ध करने गया?

जे. तीन सरदार, महाकपाल, स्थुलक्ष और प्रमथी,

अपने हथियारों के साथ राम के पास गए।

1224. राम ने अपनी सेना के साथ कैसा व्यवहार किया?

जे. राम ने उन तीनों पर तीर बरसाये, महाकपाल का सिर काट दिया, राम द्वारा छोड़े गए तीरों से स्थुलक्ष की आँखों को छेदा और प्रमथी का दिल तोड़ दिया।

1225. अपने सेनापतियों की मृत्यु के बाद राम पर किसने हमला किया?

जे. कालकर्मुका मेघमाली, रुधिरासन और करवीरक्ष सहित बारह सैनिकों सहित ग्यारह सौ पुरुषों की सेना ने राम पर हमला किया था। राम ने उन्हें मार डाला। जब खून बहाया जाता है। राक्षसों के पैर और हाथ बारिश में गरज की तरह नहीं हो सकते हैं। जब खारा ने देखा कि अकेले राम ने अवक्रा-विक्रम से चौदह हजार राक्षसों का नाश किया है, तो वह खुशी से भर गया।

1226. राम से लड़ने के लिए कौन तैयार था? जे. त्रिची

1227. क्या कहा तृषा ने?

जे. "रुक जाओ साहब! मैं राम को देखूंगा। "उन्होंने कहा।

1228. त्रिशीर ने राम पर हमला कैसे किया?

जे. त्रिशीर तीन चोटियों वाले पहाड़ की तरह रथ पर चढ़ गए और राम का सामना किया। गोलियों की बारिश हो रही थी। कोई भी तीर राम तक नहीं पहुँच सका।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1229. है। राम ने राक्षसों से कैसे निपटा?

जे. राम ने एक ही समय में चौदह तीर दागे। सभी तीर त्रिशुरू के दिल में घुस गए। उन्होंने चार गोलियां चलाईं। उसने घोड़ों को जमीन पर फेंक दिया। उन्होंने एक तीर से झंडे पर और आठ तीरों से सराय पर प्रहार किया। उनके दिल में छेद किए गए तीरों से हवा में उठे, राम ने उन्हें वज्र जैसे तीर से जमीन पर मारा, जैसे ही त्रिशीर उन पर कूदने वाले थे।

1230. है। तृषा की मृत्यु के बारे में आप क्या सोचते हैं?

जे. सेना को क्या हुआ? इतने सारे सैनिकों का क्या हुआ? अगर आप उन सभी से एक साथ नहीं लड़ सकते... क्या हो रहा है? दिल धड़क रहा है। परेशान हो गया।

1231. उसने राम पर हमला कैसे किया?

जे. अस्त्र की कला में अपनी महारत का प्रदर्शन करते हुए, खारा ने भगवान राम पर जहरीले नागों की तरह सारों का इस्तेमाल किया। उसने अपनी कमीज फाड़ दी। उसने राम का धनुष तोड़ दिया।

1232. हाथ की चटाई टूटने पर राम को कौन सा धनुष मिला?

जे. अगस्त्य को भगवान विष्णु का धनुष प्राप्त हुआ।

1233. राम ने खारुणा पर हमला कैसे किया?

जे. विष्णु ने धनुष से तीर छोड़ा। चाकू की मदद से चाकू निकाला गया। उन्होंने तुरंत 12 और गोलियां चलाईं।

तीरों से उसने घोड़ों, रथ, रथ और धनुष को तोड़ दिया। एक और गोली चलाई गई। तीर से खरून घायल हो गया। प्रतिरोध नहीं कर सका।

1234. खारा किस हथियार से रथ तोड़कर राम पर हमला करने वाला था?

जे. वह कार से कूदकर जमीन पर गिर गया। उसने रामू को धमकी दी।

1235. राम ने उस आदमी से क्या कहा जो उसे धमकी दे रहा था?

जे. 'महाराज! क्या आप महर्षि को प्रताड़ित करेंगे? मैं यहाँ आप जैसे लोगों को देखने आया हूँ। इसे बचाओ! आपका सिर जमीन पर गिर जाएगा। "उन्होंने कहा।

1236. खारा ने राम का विरोध कैसे किया?

"क्या आपको गर्व है कि मैंने अपने चौदह हजार सैनिकों और सेनापतियों को मार डाला है? मैं उन्हें नहीं मारूंगा, वे मुझे मार देंगे। यह तो है! सूरज डूबने से पहले मैं तुम्हारा सिर टुकड़ों में काट दूंगा। "उन्होंने कहा।

1237. राम ने खारा द्वारा फेंकी गई तलवार का सामना कैसे किया?

शब्द समाप्त नहीं हुआ था, तीर फेंके गए थे।
खोल टुकड़ों में टूट गया था।

1238. खारा ने राम पर हमला कैसे किया?

उन्होंने राम पर एक विशाल बरगद का पेड़ फेंका।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1239. राम ने खारुड़ को कैसे नष्ट किया?

ए. उसने अपनी ओर आने वाले पेड़ को तीरों के साथ दो भागों में विभाजित कर दिया। उसने एक बम फेंका। देखते ही देखते उसका शव भी क्षत-विक्षत हो गया। खून बह रहा है। ध्यान केंद्रित है। वहाँ पानी है। फिर भी वह दृढ़ रहे। वह राम को खोजने आया था। राम ने ब्रह्मास्त्र की तरह एक तीर दागा और उसे जला दिया। उन्होंने राख का ढेर बना लिया।

1240. भगवान राम को राक्षसों को हराने में कितना समय लगा?

उन्होंने 12 मिनट में गोल किया।

1241. रावण को उसकी मृत्यु की सूचना किसने दी? जे. राक्षस।

1242. वह कौन है?

जे. अकम्पन एक ऐसे व्यक्ति का नाम है जो रेगिस्तान में मृत होने का नाटक करता था और हत्या का नाटक करता था। राम को एहसास हुआ कि वह एक चर या एक न्यूज़मैन होगा। इस वजह से वह वहां से चला गया। वह सही था! वह एक नादान है! वह रावण है।

1243.। रावण ने क्या कहा?

जे. "आमीन! क्या सभी सुरक्षित हैं? "उन्होंने पूछा।

1244. रावण की क्या प्रतिक्रिया थी?

जे. "लोगों के सभी महान पुरुष अपनी सभी सेनाओं के साथ मारे गए। "उन्होंने कहा।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1245. रावण ने क्या कहा?

जे. "कौन है? मेरा पसंदीदा व्यक्ति कौन है? क्या वह इंद्र है? क्या आप कायर हैं? कौन कौन है? युद्ध की घोषणा किसने की? "फोन करने वाले ने पूछा।

1246। रावण ने क्या माँगा?

जे. "अगर आप मुझे दंडित नहीं करने का वादा करते हैं, तो मैं आपको सब कुछ विस्तार से बताऊंगा। "उन्होंने अनुरोध किया।

1247. रावण ने राम के बारे में क्या कहा?

जे. "चलो राम। मु. रावण ने अलग-अलग अक्षरों का उच्चारण किया। "हाँ प्रभु! राम दशरथ के पुत्र थे। उन्होंने तीन घंटे में खराडी के नायकों सहित सभी महान सैनिकों को मार डाला।

1248. जब रावण ने राम की शक्ति के बारे में सुना, तो उसने अकंपन से पूछा कि उसने क्या किया है।

जे. "क्या राम ने अकेले ही तीन घंटे में खरादी के नायकों सहित सभी महान सैनिकों को मार डाला? अविश्वसनीय है। सच बोलो? इंद्र ने उसकी मदद की, है ना? "राव ने पूछा।

1249. रावण की क्या प्रतिक्रिया थी?

जे. "नहीं साहब! किसी और ने उसकी मदद नहीं की। केवल एक ही! भगवान राम ने अकेले ही सांपों की तरह तीर चलाए और हमारी पूरी सेना को मार डाला। "हाँ", वह हैरान रह गया।

अमरनाथ अमर

प्रभु! भगवान राम इंद्र से अधिक शक्तिशाली हैं। वह अमीर है। वह तीरों से बहते महाप्रवाह को रोकने में भी सक्षम है। "उन्होंने कहा।

1250। रावण को गुस्सा क्यों आता है?

जे. दुश्मन की महिमा को सहन करने में असमर्थ, रावण ने अकंपना पर क्रोध दिखाया।

1251. रावण ने क्या कहा?

जे. रावण ने कहा, "मैं जाकर उन राम-लक्ष्मणों को मार दूंगा।"

1252. रावण ने राम की हत्या के बारे में क्या कहा?

जे. "असंभव! केवल आप ही नहीं, इस दुनिया में कोई भी राम का विरोध नहीं कर सकता है। "उन्होंने कहा।

1253. रावण ने अकम्पन को गुस्से में कैसे दंडित किया?

जे. "आप क्या कर रहे हैं? "रावण ने कहा। उसने उसे दोनों हाथों से गले से पकड़ लिया। जब उसने उसे यह कहते सुना, 'प्रभु, प्रभु', तो उसने उसे फेंक दिया। आकम्पना मंदिर के स्तंभ से नीचे गिर गई। वह उठ खड़ा हुआ और हाथ हिलाया। पवित्र राजा ने कहा कि वह तब भी नहीं हिलेंगे जब कबूतर को मार दिया जाए या खिलौना फेंक दिया जाए। वह रावण के पास गया।

1254. अकम्पना ने रावण को क्या सलाह दी?

जे. "राम को मारने का एक ही रास्ता है, और सीता, राम की पत्नी, बहुत सुंदर है। गंधर्वों में, यक्षों में, किन्नरो में,

राक्षसों में या मनुष्यों में सीता जैसी कोई नहीं है। इसलिए, राम की अनुपस्थिति को देखकर, सीता को ले जाओ और उसे अपनी पत्नी बनाओ। राम सीता के बिना नहीं रह सकते। जब राम सीता को खो देते हैं, तो वे अपना जीवन त्याग देते हैं। इसलिए इस जाल में न फंसें।

1255. जब रावण ने अकम्पनु की सलाह सुनी तो वह खुश क्यों था?

जे. "खून नहीं गिरेगा, दुश्मन मर जाएगा। जब वह मर जाएगा, तो अद्भुत सुंदरता सीता मेरी होगी। एक शॉट के लिए दो गेंद, "उन्होंने कहा। वह खूब हंसे।

1256. उनकी सलाह के लिए रावण ने उन्हें क्या पुरस्कार दिया?

जे. "आपकी सोच गलत है। आप मेरे लिए उपहार हैं।" उसने उसकी गर्दन से हीरा निकाला और उसे भेंट किया।

1257. रावण के दिव्य रथ के जानवर कौन से हैं? जे. गदहे

1258. रावण कहाँ गया?

जे. रावण गधों द्वारा खींचा गया एक दिव्य रथ में सवार होकर जन्मस्थान के लिए निकला।

1259. रास्ते में रावण किसका आश्रम गया? जे. मठ के लिए

1260. मारीचा ने रावण का सम्मान कैसे किया?

जे. रावण ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बहुत शालीनता से काम लिया। वह उसे तरह-तरह का मांस खिलाता था। वह बेंच पर बैठा हुआ था।

1261. उसने रावण से क्या पूछा?

जे. "राक्षस! तुम यहाँ अकेले क्यों आये हो? "सब ठीक तो हैं न? "मौर्य ने पूछा।

1262. रावण ने क्या जवाब दिया?

जे. "सब ठीक है! जगह सुनसान हो गई है। भगवान राम ने भगवान राम, उनकी सेना और महान सेना सहित हमारे सभी ईशनिंदा करने वालों को मार डाला। जब उन्होंने राम की बातें सुनीं तो वे भय से भर गए। उन्होंने कहा, "हमें उचित कार्रवाई करनी होगी। मेरे पास सही विचार था। रावण ने कहा, "मैं राम की पत्नी सीता का अपहरण करना चाहता हूं।

1263. रावण ने क्या मदद माँगी?

जे. "मैं राम की पत्नी सीता का अपहरण करना चाहता हूँ। मुझे आपकी सहायता की आवश्यकता है। "

1264. जब मारीचा ने रावण के शब्द सुने तो उसने क्या कहा?

"तुम्हें यह करने के लिए किसने कहा? शायद आपके दुश्मन ने आपको नष्ट करने के लिए आपको सलाह देने का वादा किया है। उन्होंने न केवल आपको बल्कि पूरी राक्षसी जाति को नष्ट करने की कसम खाई, और उस कसम को पूरा करने के लिए, उन्होंने आपको राम के साथ झगड़ा कराया। जिसकी राम से दुश्मनी है वह कभी

जीवित नहीं रहेगा, और मुझे पता है कि राम की क्या संभावनाएँ हैं। मेरी बात मत सुनो।

1265. राम ने कैसे कहा कि वह शक्तियों को बदलने के लिए आएंगे?

"भगवान राम क्षत्रिय हैं। उनकी उपलब्धि की बराबरी करने वाला कोई नहीं था। भगवान राम गुफा में सो रहे शेर की तरह हैं। ऐसा करना हमारे लिए खतरनाक है। "उन्होंने समझाया।

1266. रावण ने चिचू के प्रति अपना क्रोध कैसे दिखाया?

ए. रावण, गुस्से में चिल्लाते हुए, "मारीचा", एक पैर से पालने को छुआ । वह छत से गिर गया और कुचलकर उसकी मौत हो गई। रावण ने अपने बाएं हाथ से मारीचा का सिर पकड़ रखा था।

1267. रावण ने मारीचा को क्या सलाह दी थी?

"माफ करना साहब! चाहे आप मुझसे कितना भी प्यार करें, बस मैं जो कहता हूं उसे सुनें। राम से मत लड़ो। इसके बारे में सोचना बंद करो! यहाँ से चले जाओ। लंका आओ और आराम से रहो। "मैगुल ने कहा।

मारीचू के आश्रम से रावण कहाँ गया?

वह अपने पैतृक स्थान चला गया।

नोटः - यह सुनकर रावण मुड़ गया।

1269. रावण का शरीर कैसा है?

रत्नों के कपड़े पहने रावण, वैद्यकान्ति के साथ चमकता है। उनके चौड़े कंधे, सफेद दांत और पहाड़ जैसा मुंह था।

रावण की 20 भुजाएँ, 10 सिर और एक विशाल छाती थी।

1270. रावण की छाती पर घाव क्यों हैं?

उसके सीने पर चोट के कई निशान थे। यह सब युद्ध के दौरान हुआ। उनके हृदय पर इंद्र का हीरा है। इसके अलावा, ऐरावत को अपने दांतों को ब्रश करते समय लगी चोटें दिखाई देती हैं।

1271. रावण बनने के लिए कौन किससे लड़ेगा?

ए. देवताओं के साथ

1272. रावण के बुरे गुण क्या हैं?

ए. जहाँ भी कोई धर्म के मार्ग पर चलता है, वह उन्हें सताता है। वह दूसरों की पत्नियाँ लेना पसंद करता है। यदि कोई यज्ञ करता है, तो वह अपनी शक्ति से उस यज्ञ को नष्ट कर देता है।

1273. नागलोक में रावण ने किसे हराया?

रावण ने नागा जगत में भोगावतीपुरम में वासुकी को हराया।

1274. रावण ने किसकी पत्नी को अपनी पत्नी बना लिया?

ए. तक्षक की पत्नी

1275. रावण ने कुबेर से क्या लिया? ए. उड़ने वाला विमान

1276. रावण और कुबेर के बीच क्या संबंध है?

कुबेर स्वयं रावण के भाई थे। कुबेर पहली पत्नी के पुत्र थे और रावण दूसरी पत्नी के पुत्र थे।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1277 रावण ने किस वन को नष्ट किया था? ए. चिथिरम

1278. रावण ने किस झील को नष्ट किया था? ए. झील।

1279 इंद्र के किस उद्यान को रावण ने नष्ट कर दिया था? ए. नंदन

1280. रावण सूर्य और चंद्रमा को कैसे परेशान करता है?

ए. रावण ने कभी-कभी आकाश में खड़े होकर सूर्य और चंद्रमा की गति को रोक दिया।

1281. रावण ने किसके लिए तपस्या की थी? जे. ब्रह्मा

1282. है। रावण ने कितने वर्षों तक तपस्या की?

जे. दस हजार साल।

1283. है। जब ब्रह्मा प्रकट नहीं हुए तो रावण ने क्या किया?

जे. जब ब्रह्मा प्रकट नहीं हुए, तो उन्होंने उनके दस सिर काट दिए और उन्हें आग में फेंक दिया।

1284. जब भगवान ब्रह्मा प्रकट हुए, तो रावण क्या चाहता था?

जे. "क्या मुझे सांपों द्वारा, परियों द्वारा, गंधर्वों द्वारा, किन्नरो द्वारा, किम्बुरुशों द्वारा, किसी के द्वारा नहीं मारा जाना चाहिए?

1285. रावण ने यह क्यों नहीं कहा कि मनुष्यों की मृत्यु नहीं होनी चाहिए? जे. उन्हें विश्वास नहीं था कि मनुष्य कुछ भी कर सकते हैं।

नोटः-वह सफेद छतरी की छाया में ठंडा था। सोने की चूड़ियों के साथ सुंदर महिलाएं।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1286. रावण के दरबार में कौन था? जे. शूर्पनखा।

1287. है। रावण क्या है?

जे. "आप घमंडी हो गए हैं। इंद्रियां चली गई हैं। गर्व अच्छी तरह से स्थापित है। आप थक चुके हैं। आप नहीं जानते कि आपके देश में क्या हो रहा है। आपको यह भी पता नहीं है कि राज्य में क्या हो रहा है। आप कुछ नहीं जानते, आपको नहीं लगता कि मैं हमेशा के लिए राजा बनने जा रहा हूँ, और मैं अपनी जान जोखिम में नहीं डालना चाहता। "यह एक प्रहसन है।

1288. जनस्थान में जो हुआ उसके बारे में शूर्पनखा ने रावण से क्या कहा?

जे."जानते हो क्या हुआ? राम ने आपके भाइयों और बहनों के साथ आपकी महान सेना को नष्ट कर दिया है। वह आपको और आपके राज्य को नष्ट करने आया है। लेकिन अगर आप जल्दबाजी में हैं तो क्या होगा? "शूर्पनखा को पीटा गया।

1289. है। रावण ने क्या कहा?

जे. जब रावण ने शूर्पनखा के शब्दों को सुना, तो उसने पूछा, "यह राम कौन है? जंगल क्यों? उसके हथियार क्या हैं? तुम राक्षसों को क्यों मारते हो? कौन आपकी नाक और कान काटता है? मुझे बताइए कि आपने क्या देखा।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1286. रावण के दरबार में कौन था? जे. शूर्पनखा।

1287. है। रावण क्या है?

जे. "आप घमंडी हो गए हैं। इंद्रियां चली गई हैं। गर्व अच्छी तरह से स्थापित है। आप थक चुके हैं। आप नहीं जानते कि आपके देश में क्या हो रहा है। आपको यह भी पता नहीं है कि राज्य में क्या हो रहा है। आप कुछ नहीं जानते, आपको नहीं लगता कि मैं हमेशा के लिए राजा बनने जा रहा हूँ, और मैं अपनी जान जोखिम में नहीं डालना चाहता। "यह एक प्रहसन है।

1288. जनस्थान में जो हुआ उसके बारे में शूर्पनखा ने रावण से क्या कहा?

जे."जानते हो क्या हुआ? राम ने आपके भाइयों और बहनों के साथ आपकी महान सेना को नष्ट कर दिया है। वह आपको और आपके राज्य को नष्ट करने आया है। लेकिन अगर आप जल्दबाजी में हैं तो क्या होगा? "शूर्पनखा को पीटा गया।

1289. है। रावण ने क्या कहा?

जे. जब रावण ने शूर्पनखा के शब्दों को सुना, तो उसने पूछा, "यह राम कौन है? जंगल क्यों? उसके हथियार क्या हैं? तुम राक्षसों को क्यों मारते हो? कौन आपकी नाक और कान काटता है? मुझे बताइए कि आपने क्या देखा।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1290. भगवान राम के बारे में क्या?

जे. भगवान राम बड़े हाथों, चौड़ी आंखों के साथ सुंदर हैं, मुनू जैसी लिनन साड़ी पहने हुए हैं, कृष्ण का लिंग और मनमध जैसा सुंदर रूप है। वे राजा दशरथ के ज्येष्ठ पुत्र थे। यदि आप देवेंद्र की तरह धनुष पकड़ते हैं और नारच के तीरों को छूते हैं, तो वे बड़े नागों की तरह होते हैं, जो अपना मुंह खोलते हैं और जहर उगलते हैं। जब भगवान राम 14,000 राक्षसों को मार रहे थे, तब मैं वहां था। मुझे पता था कि यह राम ही थे जिन्होंने उन्हें मारा था, लेकिन मैंने नहीं देखा कि राम ने कब तीर निकाला, जब उन्होंने विंटिनारी को छुआ, जब उन्होंने लक्ष्य छोड़ दिया। लेकिन मैंने देखा कि राक्षसों के सिर गिर रहे थे। भगवान राम इतनी तेज गति से तीर चलाते हैं।

1291. शूर्पनखा ने लक्ष्मण के बारे में क्या कहा?

जे. राम के भाई लक्ष्मण पुण्य और प्रतिभा में उनके बराबर थे। लक्ष्मण राम के दाहिने हाथ हैं और हर समय उनकी रक्षा करते हैं।

1292. शूर्पनखा ने रावण को सीता के बारे में क्या बताया?

जे. मैंने सीता की ओर देखा। सुंदरता क्या है? क्या प्रहसन है। उसका चेहरा पीला पड़ गया है। नाक एक फूल है! अगर हँसी चाँद की रोशनी है, तो वास्तव में कमर गायब है। फर्श पर सोने और चांदी के मोती। यह एक वरदान की तरह लग रहा था। मैंने कई सुंदर महिलाओं को देखा है,

लेकिन मैंने सीता जितनी सुंदर कभी नहीं देखी। "वह कहता है।

1293. शूर्पनखा ने सीता के बारे में रावण से क्या झूठ बोला था?

ए. जब मैंने उस सीता को देखा, तो उसने मुझे बताया कि मेरे भाई की पत्नी होना कैसा लगता है।

1294. शूर्पनखा ने रावण को कैसे उकसाया?

"मैं तुम्हारे लिए अपनी जान दे दूँगा! जो हुआ वही हुआ। मेरे बारे में चिंता मत करो। देखो क्या होता है! जाओ और खुद को सबसे सुंदर बनाओ! युद्ध में राम और सीता को जीतो! "उसने कहा।

1295. रावण ने शूर्पनखा के शब्दों के बारे में क्यों सोचा?

जे. उस समय हृदय परिवर्तन हुआ। रावण ने इसके बारे में सोचा।

1296. राम लक्ष्मण से बदला लेने के लिए शूर्पनखा का रावण से क्या लेना-देना था?

जे. "अगर आप नहीं चाहते... उन राम-लक्ष्मणों को अपनी पुरुष महिमा का स्वाद दिखाएँ जिन्होंने आपके भाइयों और बहनों को मार डाला और मुझे इस स्थिति में लाया। उन्हें टुकड़ों में काटें और कौवों और गिद्धों को दें। "उन्होंने कहा।

1297. अंत में रावण का क्या हुआ?

जे. "मैंने ऐसा नहीं कहा! अपने मंत्रियों से पूछें और फिर निर्णय लें। "उसने कहा। चले गए।

नोटः रावण। बैठक दोपहर के भोजन के लिए समाप्त

हो गई थी। उसने खा लिया। रावण मंदिर में आया। उसने मुझे फर्श पर फेंक दिया। उसने आँखें बंद करके सोचा। उन्होंने बार-बार अकंपना, मारीचा और शूर्पनखा के शब्द सुने। सीता ने अपनी आँखें बंद कर लीं। वह उठकर चला गया। वह रथ पर चढ़ गया और चुपके से आकाश की यात्रा की।

1298. रावण का स्थान क्या है? जे. जल क्षेत्र

1299. दुनिया का सबसे बड़ा पेड़ कौन सा है? जे. पेड़ का पेड़

1300. है। बरगद के पेड़ की शाखाएँ कितनी शाखाओं तक फैली होती हैं? जे. 100 परियोजनाएं

1301. पेड़ों की टहनियों पर कौन लटक रहा है?

जे. वालाखिल्य नामक ऋषि

1302. चींटियाँ क्या खाती हैं?

जे. चंद्रमा की किरणों का उपयोग भोजन के रूप में किया जाता है।

नोटः-गरुतम इस बरगद के पेड़ पर बैठे थे जब वे विनता दस्यम के निपटान के लिए अमृत लाने गए थे। यह कथा महाभारत में है।

1303. जिस पेड़ पर यह बैठता है उसका नाम क्या है? जे. सुरक्षित

1304. रावण किसके आश्रम पहुँचा? जे. मारीचुनी आश्रम

1305. कैसे कपड़े पहनें?

जे. हालाँकि मारिचा जन्म से एक राक्षस था, वह लिनन पहनता था, बांधता था और नियमों के अनुसार भोजन करता था।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1306. रावण ने क्या देखा?

जे. वह फिर वापस क्यों आया? उसने सोचा।

1307. उसने रावण से क्या पूछा?

जे. "अगर आपको कोई आपत्ति नहीं है, तो मुझे बताएं? आपको यह कितनी जल्दी मिल गया? "उन्होंने पूछा।

1308. रावण ने क्या जवाब दिया?

जे. "मैं बड़ी मुसीबत में हूँ। मैं आपकी मदद लेने आया हूँ। तुम मेरे ईश्वर हो। "उसने अपनी आँखें बंद कर लीं। "आप जानते हैं क्या! अकेले राम ने त्रिशूल सहित चौदह हजार लोगों को मार डाला। उन्होंने लोगों को बर्बाद कर दिया। इतना ही नहीं! मेरी बहन ने शूर्पनखा की नाक काट दी और उसे डांटा। माफी मांगने की कोई जरूरत नहीं है। "रावण ने कहा।

1309. रावण ने मारीचू को बताया कि राम से बदला कैसे लिया जाए।

जे. "सीता भगवान राम की पत्नी हैं। इसे आपकी मदद की जरूरत है। आप जो भी करें, खुद ही करें। "उन्होंने कहा।

1310. क्या योजना है कि रावण ने मारीचुनी को सीतम्मा का अपहरण करने के लिए कहा?

जे. "आपको मंदिर के सामने चलना होगा। सीता को आकर्षित होना पड़ता है। अगर सीता राम-लक्ष्मण से आपको पकड़ने के लिए कहती है... अगर वे आपको पकड़ने की कोशिश करते हैं।

यदि आप उन्हें आश्रय से दूर ले जा सकते हैं। फिर मैं सीता का अपहरण कर लूंगा जो अकेली है। मैं तुम्हें लंका ले जाऊँगा। यदि राम अपनी पत्नी की मृत्यु से नष्ट हो जाते हैं, तो लक्ष्मण भी अपने भाई की मृत्यु से नष्ट हो जाते हैं। मैं उन दोनों को मार दूंगा। "रावण ने कहा।

1311. रावण ने मारीचा की व्याख्या कैसे की?

जे. "मुझे आपकी मदद चाहिए, साहब। "उन्होंने कहा! उसने उसका हाथ पकड़ लिया। उसने धीरे से हाथ जोड़े।

1312. रावण ने क्या कहा?

जे. "मुझे तुम्हारे विचारों से डर लगता है! रोते हुए। जो भी आपको सीता को नष्ट करने की सलाह देता है, वे फिर से लंका का विनाश चाहते हैं। "आपने कल भी यही बात कही थी," "" "तब नहीं, अभी नहीं, मैं हमेशा एक ही बात कहता हूँ।" हो सकता है आपको मेरे शब्द पसंद न आएँ। लेकिन मुझे अपना धर्म रखना है। मैं आपकी भलाई के लिए प्रार्थना करता हूं। राम के बारे में आप जो कुछ भी जानते हैं वह गलत है। राम कोई साधारण व्यक्ति नहीं हैं। यह भावनात्मक या भावनात्मक नहीं है। मुझे दया नहीं चाहिए। यह सोचना भी गलत है कि अगर पिता को भगा दिया गया तो वह जंगल में चला जाएगा! राम सत्य के अवतार हैं। सुख का जन्म। वे अपनी सारी शक्ति धर्म की रक्षा में लगा देते हैं। शक्तिशाली। वह आदमी अपने पिता की बात के बिना जंगल में आ गया।

तुम उसकी पत्नी को धोखा दे रहे हो। आप खतरे में हैं। "उन्होंने कहा।

1313. उन्होंने रावण को किस बारे में चेतावनी दी थी?

जे. "मुझे बहुत अच्छा लग रहा है! ऐसा लगता है कि सीता का जन्म आपके विनाश के लिए हुआ था। "मैगुल ने कहा।

रावण स्तब्ध रह गया।

1314. "रामो विग्रहावन धर्मः साधुः सत्य पराक्रमः राजा ने पूछा, "ये शब्द किसने कहे? जे. रावण ने कहा।

1315. उपरोक्त वाक्य का क्या अर्थ है?

जे. यदि आप संसार के धर्म को लाते हैं और उसे जीवंत करते हैं, तो वह राम हैं। सत्य शक्तिशाली है। राम समस्त जगत के राजा हैं। यदि आप ऐसे राम के जूते में जाते हैं, तो आप नष्ट हो जाएंगे। आप से अनजान, मैं आपको बता रहा हूं कि मैं सीतम्मा को लाऊंगा, उसकी राख से ढकी आग, जो अपनी प्रतिभा से खुद को बचा पाएगी। वह इसका कारण है। राम की कुल्हाड़ी की छाया में सुरक्षित रखी जा रही सीतम्मा का अपहरण आपकी पीढ़ी ने नहीं किया था! आपके पास इसे रोकने की पर्याप्त शक्ति नहीं है।

1316. मारीचू ने रावण को राम के अपने अनुभव के बारे में क्या बताया?

जे. 1. "कई साल पहले, जब मैं विश्वामित्र के यज्ञ को नष्ट कर रहा था, तो वे राम के साथ आए थे। राम एक लड़का था।

जब मेरे भाई सुबाह की लड़के के तीर से मृत्यु हो गई, तो मैं दक्षिण सागर में गिर गया।

2. मैं आपको एक और बात बताता हूं जो हाल ही में हुई थी। मैं और दो अन्य राक्षस हिरण के रूप में घूम रहे हैं और दंडक के ऋषियों को मार रहे हैं और उनकी भूख खा रहे हैं। एक दिन हमने सीताराम लक्ष्मण को शिकार करते देखा। साथी राक्षसों के उकसावे पर और बदला लेने की तलाश में, मैं राम पर सींगों से हमला करने वाला था। मैंने उसका दिल तोड़ दिया। राम ने उस पर तीन तीर दागे। मुझे पता है कि यह कैसा है। मैंने हवा में छलांग लगाई और अपनी जान बचाई। मेरे दोस्त अभी-अभी मर गए। "मैगुल ने कहा।

1317. मारीचा को राम के नाम से डर कैसे लगा?

जे. उन्होंने कहा, "मैंने दो बार रामबन का स्वाद चखा है और मैं संन्यास की स्थिति में रह रहा हूं। जब मैं राम के बारे में सोचता हूं, तो मेरे पैर और हाथ कांपते हैं। ऐसा लगता है कि वह मेरा पीछा कर रहा है। ऐसा क्यों? 'आर' की आवाज़ मुझे डराती है। रथ और रत्न राम से डरते हैं। "मैगुल ने कहा।

1318. उन्होंने रावण को शूर्पनखा के बारे में क्या बताया?

जे. हर बार जब आप कहते हैं कि हमारी बहन की नाक काट दी गई थी, तो आपकी बहन ने क्या किया? आदमी बिना पूछे मर गया। आप उसी रास्ते से जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकत न करें।

1319. मारीचा ने रावण को क्या सलाह दी?

ए. यह हुआ है। इसे भूल जाओ! लंका जाओ! विभीषणों की सलाह का पालन करें और लंका पर शासन करें! "मैगुल ने कहा। रावण ने सिर हिलाया। "यदि आप वास्तव में राम का सामना करना चाहते हैं, तो उनका सामना न करें। सीता का अपहरण भी न करें। मुझे इस बुरी साजिश में भागीदार मत बनाइए। आपके पास हजारों हैं। "मैगुल ने कहा। उन्होंने हाथ जोड़कर नमस्कार किया।

1320 रावण ने राम के बारे में क्या कहा?

ए:- जवाबः आप मूर्ख हैं! मैं आपकी मदद नहीं करना चाहता, मैं आपकी मदद नहीं करना चाहता। एक बार जब मैंने निर्णय ले लिया, तो मैं पीछे नहीं हटिआ। भगवान चाहे कुछ भी कहें, मैं अपना फैसला नहीं बदलूंगा। "रावण ने कहा।

1321. क्या योजना है कि रावण ने मारीचुनी को सीतम्मा का अपहरण करने के लिए कहा?

जे. 'मां! जो मैं कह रहा हूँ उसे ध्यान से सुनो। आपको शरीर पर चांदी के बिंदुओं के साथ सुनहरा होकर सीता के सामने चलना चाहिए। आपको उसे आकर्षित करना होगा। मैं चाहता हूँ कि तुम सीता बनो। यदि आप राम को आपको ले जाने के लिए कहते हैं, यदि राम आप के साथ जाते हैं, तो आपको उसे दूर जंगल में ले

जाना होगा। वहाँ उन्होंने राम की आवाज़ की नकल की और कहा, "हे सीता! हे लक्ष्मण! 'आपको करना चाहिए। एक बार काम पूरा हो जाने के बाद आप जहाँ चाहें जा सकते हैं। "उन्होंने कहा।

1322.अगर रावण उसकी मदद करता है तो वह उसे क्या इनाम देता है

जे. वह अपना आधा राज्य दे देगा।

1323. अगर वह उसकी मदद नहीं करेगा तो उसे कैसे दंडित किया जाएगा?

जे. रावण ने कहा कि वह न केवल आपको ऐसा करने के लिए मजबूर करेगा, बल्कि राजा के आदेश की अवज्ञा करने के लिए अपनी जान भी लेगा।

1324. जब मारीचा ने रावण की योजना के बारे में सुना तो उसने रावण से क्या कहा?

ए. भले ही मैं एक महिला न बनूं और राम के जाल में न पड़ूं, मैं उनके तीर में नहीं गिरूंगा। जीना मुश्किल हो जाता है। मैं मर जाऊँगा। क्या तुम चाहते हो कि राम मुझे मारने के बाद तुम्हें छोड़ दें? न छोड़ें। राम तुम्हें मार डालेगा। "मैगुल ने कहा।

1325. रावण ने मारीचा को क्या चेतावनी दी थी?

जे. "तुम राम के हाथों मर सकते हो, तुम मौत से बच सकते हो, लेकिन अगर तुम वह नहीं करोगे जो मैं कहता हूं, तो तुम मेरे हाथों मरोगे।"

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1326. उन्होंने रावण से क्या कहा?

जे. "अपने हाथों में मरने से राम के हाथों में मरना बेहतर है। ठीक है! जैसा आप कहेंगे, वैसा ही करूँगा।"

1327. रावण और मारीचा कहाँ गए?

जे. रावण और मारीचा हवाई जहाज से राम के आश्रम के लिए रवाना हुए।

नोटः पहाड़ों को पार किया, शंकुओं को पार किया। नदियां और झरने बह रहे थे। रामनगर पहुँचा।

1328. जब रावण ने आश्रम देखा तो उसने मारीचुनी से क्या कहा?

जे. "बस इतना ही! रामनाथपुरम जंगल के बीच में स्थित है। जाओ और जैसा तुम्हें कहा गया है वैसा करो।

1329. यह कैसे बदल गया है?

जे. वह अपनी जादूई शक्ति से एक सुनार बन गया।

1330. सुनहरे हिरण को कैसे देखें?

जे. उनका चेहरा लाल, आंखें नीली, गर्दन लंबी, गर्दन लंबी, गर्दन लंबी, गर्दन लंबी, गर्दन लंबी, गर्दन लंबी, गर्दन लंबी और पूंछ लंबी थी।

1331. सोने के हिरण ने सीता का ध्यान आकर्षित करने के लिए क्या किया?

जे. सीता को धोखा देने के लिए दूर भागते हुए, करीब

आते हुए, एक पालतू जानवर की तरह आश्रम में आते हुए, वहाँ के लॉन पर लेटकर, थोड़ी देर बाद वह उठी, पलक झपकाते हुए और दौड़ती हुई।

1332. जब उन्होंने सोने के बछड़े को देखा तो अन्य जानवर क्यों भाग गए?

जे. जब स्वर्ण महिला (मारीचू) अन्य जानवरों के पास गई, तो उन्होंने उसे एक राक्षस के रूप में देखा और भाग गए।

1333. जब सीता ने स्वर्ण महिला को देखा तो वह क्या कर रही थी?

जे. सीता उस समय पूजा के लिए फूल काट रही थीं।

1334. सीता किस पेड़ के फूल तोड़ रही है?

जे. कर्णिका के पेड़ के फूल तोड़ दिए जाते हैं।

नोटः प्रयास विफल रहा। सीता ने उसे नहीं देखा। हैरान रह गए। अच्छा लगा।

1335. सोना देखकर सीता और लक्ष्मण का क्या हुआ?

जे. "हे राम! लक्ष्मण! आओ, अपने हथियार पहन लो। जब राम और लक्ष्मण आए, तो सीताम्मा ने उनसे कहा, "मैंने अपने सामने जानवर को देखा, और वह कितना सुंदर था। मैंने अपने जीवन में ऐसा कभी नहीं देखा। वह सोने की त्वचा और चांदी की बूंदें.

1336. लक्ष्मण को सोने के बारे में संदेह क्यों था?

जे. वह स्वर्ण महिला इतनी अजीब और अद्भुत थी

कि इस पृथ्वी पर ऐसी कोई चीज नहीं थी। यही कारण है कि लक्ष्मण को संदेह हुआ।

1337. लक्ष्मण ने राम से क्या कहा?

जे. यह कोई जानवर नहीं है, यह एक जानवर है। इस सृष्टि में कहीं भी ऐसा हिरण नहीं है। इस मारिचा ने इस प्रकार कामरूप प्राप्त किया और शिकार करने आए कई राजाओं को आकर्षित किया और भस्म कर दिया। मेरा विश्वास कीजिए, यह सच है।

1338. लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! आपको सभी शंकाएँ हैं। तुम इस प्यारी सी लड़की के साथ मज़े क्यों नहीं करते? "उसने कहा।

1339. सीता राम के बारे में क्या?

जे. "क्या यह अच्छा है? मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा है। मैं यही चाहता हूँ। इसे पहनो, यह सुंदर है। "उसने कहा।

1340. सीता ने क्या कहा?

जे. सीता यह चाहती है। इसकी उम्मीद की जा रही है। वह वहाँ से जाना चाहता था। वह धीरे-धीरे चल पड़ा।

1341. सीता ने राम का क्या किया?

जे. "अरे! वह भाग रही है! आओ, स्वामी ", सीता ने कहा।

1342. राम ने क्या कहा?

जे. लक्ष्मण ने कहा। "मैंने तुम्हारे जैसा कोई नहीं देखा।

अमरनाथ अमर

मैंने इसके स्वर्ग या पृथ्वी में होने के बारे में कभी नहीं सुना। इसका स्वामित्व होना चाहिए। सीता की इच्छा पूरी होनी चाहिए। "उन्होंने कहा।

1343. राम को हथियार किसने दिए? जे. लक्ष्मण

1344. राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. "जिम्मेदारी आपकी है! सावधान रहें ", उन्होंने कहा।

1345. राम किससे मदद माँगते हैं? जे. जटायु

1346। वह राम को कहाँ ले गया?

जे. वह झोंपड़ी से दूर चला गया।

1347. राम उस महिला पर तीर कब मारना चाहते थे?

जे. वह पेड़ों के पीछे भागा। उसने धोखा दिया। फिर से दौड़ें। रामू भाग गया। राम ने अंतिम प्रयास किया। फिर उसे हिरण के बीच खड़ा देखा गया। राम धीरे-धीरे उसके पास आया। उसे मिल जाएगा। अच्छा नहीं है। वह उछल पड़ा। वह भागकर पेड़ों में छिप गया। अपने हाथों पर ले लो! पकड़ना असंभव है! गलत नहीं! राम उसे मारना चाहते थे।

1348. मारीचू के खिलाफ राम ने किस हथियार का इस्तेमाल किया?

जे. उसने बरगद को छुआ और छोड़ दिया। आग फैल गई और उसके शरीर को अपनी चपेट में ले लिया। उसका हृदय जोर-जोर से धड़क रहा था। जब वह चोटी पर पहुंचे तो

कूद पड़े और गिर गए।

1349. गिरने पर वह कैसे रोया?

जे. राम ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाया। सीता, हा! "लक्ष्मण ने कहा। जब बांध फटता है और उसमें से पानी निकलता है, तो इस तरह मारीचूड़ अपने वास्तविक रूप में पृथ्वी पर गिर गया, जबकि उसके शरीर से खून बह रहा था।

1350। राम को देखकर कौन जानता था?

जे. सीताम्मा को लक्ष्मण के शब्द याद आए।

1351. राम ने यह सुनकर क्या किया?

जे. ऐ मौत! वह अपनी ही आवाज़ में क्यों चिल्लाया? क्या यह भी साजिश का हिस्सा है? सीता और लक्ष्मण उन चीखों के बारे में कितने चिंतित हैं जो वे सुनते हैं? राम मंदिर जाना चाहते थे।

1352. सीता! सीता ने क्या सोचा जब उन्होंने राम की हा लक्ष्मण की आहट सुनी?

जे. सीता दंग रह गई। हादसे में उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया।

1353. लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. लक्ष्मण ने उन चीखों पर कोई ध्यान नहीं दिया और सोचा, "क्या यह असंभव है कि राम, जिन्होंने अकेले ही 14,000 राक्षसों को मार डाला था, एक राक्षस को देखकर डर जाएंगे?

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1354. लक्ष्मण को क्या हुआ?

जे. "आप सुन रहे हैं न! आपने उन आवाज़ों को सुना होगा। वे राक्षसों के साथ अकेले हैं। मदद के लिए चिल्लाओ। जाओ, जाओ! जल्दी चले जाओ। अपने भाई को बचाओ। "उसने कहा।

1355. लक्ष्मण सीता के शब्दों के बारे में क्या सोचते थे?

जे. जवाब में लक्ष्मण मुस्कुराए। एक कदम भी नहीं चल सकता था। उसकी रक्षा करना उसकी जिम्मेदारी है। उसे अकेला छोड़ना उसके भाई के आदेश का उल्लंघन है! इसके अलावा, ये बहुत अधिक नहीं हैं। यह सब एक राक्षस है। राम भगवान हैं। लक्ष्मण ने सोचा कि राक्षसों के लिए उसे फंसाना असंभव था।

1356. सीता को क्या लगा जब उन्होंने उसे बिना उसकी बात सुने खड़ा देखा?

जे. भाई खतरे में है, अगर तुम जाओ और बचाओ... लक्ष्मण क्या हंसेगा? कदम क्या है? उसका इरादा क्या है? सीता ने लक्ष्मण को गलत समझा।

1357. लक्ष्मण ने सीता से क्या कहा?

जे. 1. "क्या तुम जंगल में अपने भाई की रक्षा करने आए हो? अगर वह खतरे में है तो क्या होगा? "

2. "क्या तुम मेरी रक्षा नहीं कर सकते? "हालांकि, कोई शब्द नहीं है। वह इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी।

3. "मैं समझ गया! आपके हास्य की भावना समझ में आती है। आपकी अज्ञानता वह है जो आप कह रहे हैं। आप एक मौके का इंतजार कर रहे हैं, है ना? "सीता ने पूछा।
4. "उसने तुम्हारे साथ क्या किया? भाई-बहन के रूप में आप मुझसे ज्यादा अपना ख्याल रखते हैं।
5. "अगर मैं आपको और आपके रवैये को देखता हूं, तो मुझे आप पर संदेह है। यह आपकी वजह से नहीं है। "सीता ने कहा।

1358 लक्ष्मण ने सीता से क्या कहा था?

1. "वाह! जो चिल्लाहट सुनाई दी वह सिर्फ भाई की नहीं थी, बल्कि माया की थी। कोई भी राक्षस या राक्षस कुछ नहीं कर सकता। उन्होंने इसका विरोध किया। इस दुनिया में नहीं। "लक्ष्मण ने कहा।
2. "खरादों के विनाश के बाद से राक्षसों का हम पर गुस्सा है। यह उनकी साजिश का हिस्सा है। आप चिंता न करें। मुझे संदेह है कि आपने मुझे तुरंत नहीं बताया। मैं आदेश से बंधा हुआ हूँ। मैं तुम्हें अकेला नहीं छोड़ सकता। मुझे माफ़ कर दो! "
3) धैर्य रखें! भाई आएगा। "लक्ष्मण ने कहा। सीता ने नहीं सुना। दम घुट रहा था।

1359. लक्ष्मण की बातें सुनकर सीता ने उनसे क्या कहा?

"अ! मुझे नहीं पता कि तुम्हारे मन में क्या है। मुझे सब पता है। आप और आपके पति दोनों! आप एक बड़ी योजना के

अमरनाथ अमर

साथ आए थे। मैं तुम्हें चाहता हूँ, मुझे नहीं। आप अपने भाई को चोट पहुँचाना चाहते हैं। आप नहीं जानते! यह सीता है, रमापति। बस इतना ही! सीता के लिए किसी अन्य व्यक्ति से विवाह करना और उनके अधीन होना उचित नहीं है। राम के बिना कोई जीवन नहीं है। तुम मर जाओ, तुम्हें पता है।

ऐसा कहा गया है।

सीता ने लक्ष्मण से आखिरी बार कब बात की थी?

"लक्ष्मण! मैं आपको आखिरी बार कह रहा हूं, जाओ और अपने भाई को बचाओ नहीं तो मैं गोदावरी में कूदकर मर जाऊंगा। मैं तुम्हें अपने मुर्गा से भी नहीं छूऊंगा। "सीता ने कहा।

1361. सीता के शब्दों को सुनकर लक्ष्मण ने क्या सोचा?

जे. अपनी रक्षा करना आपकी जिम्मेदारी है! अगर वह वहाँ है, तो वह मर जाएगी। इसलिए लक्ष्मण ने उसे छोड़ देना ही सबसे अच्छा समझा।

1362 में। लक्ष्मण ने सीता से क्या कहा?

जे. "पहली बार मैं अपने भाई के आदेश की अवज्ञा कर रहा हूँ, तुम्हारी वजह से। मैं जा रहा हूँ। मैं आपके शब्दों को बर्दाश्त नहीं कर सकता। "दो कदम। दुख हुआ है। वह रुक गया। उन्होंने कहा, "मां! मुझे नहीं लगता कि वह आपसे मिलने आएगा। वैसे भी, मुझे तुम्हें बचाना होगा। "लक्ष्मण ने क्या कहा, मैंने नहीं सुना।

जमीन पर हाथ रखकर रो रहे हैं। लक्ष्मण राम की ओर दौड़े।
चले जाओ।

1363. में। रावण आश्रम की ओर कब गया?

जे. रावण, जो अभी भी रथ में था, रथ से उतरा और जब लक्ष्मण बहुत दूर चला गया तो उसने कामरूप को छुआ। कोमल केसरिया वस्त्र पहने, तकिया पकड़े हुए, यज्ञ पहने हुए और बाएं कंधे पर कमंडल पहने हुए, वह राशि चक्र की आभा के साथ परिवारजका (संत) के रूप में तैयार होकर आश्रम की ओर गए।

1364. में। कौन जानता था कि रावण भेष बदलकर आ रहा है?

जे. रावण को भेष बदलकर आते देख वहाँ के पेड़ों ने चलना बंद कर दिया और ऐसे ही खड़े हो गए। उस समय तक जो हवा चल रही थी, वह रावण को देखते ही घनी हो गई थी। जैसे ही रावण ने अपनी लाल आँखों से देखा, गोदावरी, जो तब तक उफान पर थी, बिना आवाज़ किए बहुत धीरे-धीरे बह रही थी।

1365. रावण ने सीता से क्या कहा?

जे. "ओह लड़की! तुम कौन हो तुम कौन हो कि तुम इतने अच्छे हो? क्या आप भगवान शिव हैं?
या यह भगवान है? या लक्ष्मी? या यह भगवान है? या यह एक छलावा है? "उन्होंने पूछा।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1366. में। रावण को देखकर सीता ने क्या किया?

जे. "बैठ जाओ", उसने कहा। रावण बैठ गया और सीता को देखने लगा। "यो यार! कृपया इस दर्भासन को सजाएं। "सीता ने कहा। वह अंदर गया और तुरंत बाहर आ गया। "ये अर्घ्य खाद्य पदार्थ, ये फल और कंद लें। "उसने कहा।

1367. रावण के सवाल सुनकर सीता ने क्या सोचा?

जे. सीता को यह पसंद नहीं था कि तपस्वी अकेले उसके पास आए और उसकी सुंदरता की प्रशंसा की। उसे पता था कि उसके साथ कुछ बुरा होने वाला है। उसने राम की ओर देखा। वे नहीं आ रहे हैं। हमारे दिलों को गर्म होने दें। ऋषि राम-लक्ष्मण के आने तक इंतजार करना चाहते थे।

1368. रावण के प्रश्नों पर सीता का क्या जवाब था?

जे. "मेरा नाम सीता है और मैं राजा जनक की बेटी हूँ। राम का घर। मैंने राम से शादी करने के बाद, जो इश्वाकु वंश में पैदा हुए थे, मैंने उन सभी सुखों का अनुभव किया जो मनुष्य अनुभव करते हैं (सीताम्मा ने अप्रत्यक्ष रूप से रावण से कहा कि वह खुद जगनमाथा थी) कैकम्मा की इच्छा के अनुसार, राम 14 साल तक जंगल में रहने के लिए जंगल में आए थे। उनके भाई लक्ष्मण हमेशा हमारी सेवा करते हैं। "उन्होंने कहा।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1369. सीता ने रावण से क्या पूछा?

जे. "है न? और आप कौन हैं? आपका परिवार क्या है? आप इस आश्रम में क्यों नहीं रहते? "उन्होंने पूछा।

1370. रावण ने सीता को क्या जवाब दिया?

जे. "प्यारी! क्या आप जानते हैं कि मैं कौन हूँ? राक्षसी राजा का नाम सुनकर दुनिया, देवी-देवता कांप जाते हैं। श्रीलंका के राष्ट्रपति। भाई का भाई। मुझे रावण कहा जाता है। "जब सीता ने रावण की आवाज सुनी, तो वह तूफान में फंसे हिबिस्कस के पौधे की तरह थी। "सुंदर! मेरा लंका शहर समुद्र के बीच में त्रिकुटा पहाड़ पर है। यह धन से भरा हुआ है। सोना नहीं है, सोना है। यह मेरा शहर है। क्या आप देखते हैं? "राव ने पूछा। भय होता है। सारा शरीर ठंडा हो जाता है। सीता नहीं कर सकी। रावण को नहीं देखा जा सकता था। "दुनिया में जहां भी सुंदरता है, मेरे शहर लंका में मेरी पत्नी जरूर होगी! मेरी बहुत सारी सुंदर इच्छाएँ हैं। आपकी सुंदरता भी सुंदर है। आपको इसे खोना नहीं चाहिए। "रावण ने कहा। वह खूब हंसे। "अगर आप मुझे अपने पति के रूप में स्वीकार करते हैं, तो आप मेरी रानियों की रानी होंगी। मेरी पाँच हजार रानियाँ तुम्हारी नौकरियाँ होंगी। "रावण ने कहा।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1371. सीता ने रावण से क्या कहा?

जे. जब सीता ने रावण के शब्दों को सुना, तो वह चिल्लाई, "रावण! आप ऐसे बात करते हैं जैसे आप नहीं जानते। जिस तरह बड़े महासागर और पहाड़ को हिलाया नहीं जा सकता, उसी तरह महान व्यक्ति, सर्वशक्तिमान, धर्मी, जिसका चेहरा पूर्णिमा जैसा है। जितेंद्र मेरे पति रामचंद्र की तरह व्यवहार करता है, जिसके हाथ शेर की तरह हैं और वह हाथी की तरह चल सकता है, न कि धन की बात करने वाली महिला की तरह। तुम मुझे ऐसे नहीं देख सकते जैसे लोमड़ी शेर को नहीं देख सकती। तुम मुझे ऐसे नहीं छू सकते जैसे तुम सूरज को नहीं छू सकते। आप सांप को पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं। जो आंख में सुई लेकर नली लेता है, जो गले में बड़ा पत्थर लेकर समुद्र में तैरना चाहता है, जो हाथ से सूरज और चाँद को घर ले जाना चाहता है, वह कितना अज्ञानी है, जो लोहे की छड़ पर चलना चाहता है, वह कितना अज्ञानी है, आप कितने अज्ञानी हैं। बोतल और सोने में, चंदन और मिट्टी में, हाथी और बिल्ली में, कौवे और चील में, पानी के कौवे और मोर में, हंस और बटेर में कितना अंतर है, आपके और राम में कितना अंतर है।

1372. रावण ने सीता को अपने गर्व के बारे में क्या बताया?

जे. "ये हर महिला के पहले शब्द हैं जो मेरे गले में पिंजरे की तरह फंसी हुई है। यह आश्चर्य की बात नहीं है। सीता!

तुम मेरे भाग्य को नहीं जानते। क्या आप इस पृथ्वी को दोनों हाथों से ऊपर उठाकर आकाश में रखना चाहते हैं? मैं करूँगा। क्या आप हिमालय को तोड़ना चाहते हैं? मैं मार दूंगा। क्या आप पानी पीना चाहते हैं? मैं पीता हूँ। बस इतना ही! मुझे बताओ, मैं सूरज को आकाश से निकालकर तुम्हारे पैरों के नीचे फेंक दूंगा। आपके राम मेरे मर्दाना गौरव के सामने खड़े नहीं हो सकते, जिसके लिए मृत्यु के देवता भी रोते हैं, लेकिन मेरी सुंदरता को देखें, मेरी सुंदरता से प्यार करें और खुद को मेरे सामने पेश करें। "रावण ने कहा।

1373. सीता को क्या हुआ?

जे. सीतम्मा ने कहा, "तुम कुबेर के भाई हो, क्या तुम्हें दस आदमियों की तरह व्यवहार करने में शर्म नहीं आती? यह व्यवहार क्यों? आप कह रहे हैं कि पदक राम बेकार है, और उनकी अनुपस्थिति में आप मुझे दूर ले जाने की कोशिश क्यों कर रहे हैं? राम के आने का इंतजार करें।

1374. रावण ने अपने वास्तविक स्वभाव को कैसे प्रकट किया?

जे. उसने कपड़े उतार दिए। वे रावण के रूप में प्रकट हुए। रावण ने दस परतों, बीस आँखों, बीस भुजाओं और एक काले शरीर के साथ एक लाल वस्त्र पहना हुआ था।

नोटः रावण। उसे सीता मिल जाएगी। सीता भाग गई। वह नीचे गिर गया और होश खो बैठा। वह सीता को ले गया

और अपनी आँखें बंद करके जप करते हुए आगे चला गया। रथ आया और आश्रम के सामने खड़ा हो गया। रावण सीता के साथ रथ पर चढ़ गया। वह एक प्यादे की तरह लग रहा था। गाड़ी उठ खड़ी हुई। आसमान में। सीता बेहोशी में है।

1375. जब सीता रथ में थीं, तो उन्होंने राम से क्या प्रार्थना की थी?

जे. "राम, राम, तुम कहीं दूर जंगल में थे। तुम मेरी आवाज़ कैसे सुन सकते हो? यह दुष्ट आत्मा मुझे ऊपर उठा रही है। हे राम, जिन्होंने धर्म के लिए अपने जीवन और राज्य का त्याग किया! आपकी पत्नी के साथ एक दानव द्वारा बलात्कार किया जा रहा है। क्या आपको यह पता नहीं है? "उसने प्रार्थना की।

1376. सीता ने लक्ष्मण से क्या प्रार्थना की थी?

जे. लक्ष्मण! क्या तुम नहीं जानते कि हर समय राम का अनुसरण करने वाला रावण मुझे ले जा रहा है? मुझे बचाओ, मुझे बचाओ ", वह चिल्लाई।

1377. सीता के शब्दों को सुनकर रावण ने क्या कहा?

जे.तुम रोओ मत! मैं आपका रोना नहीं देख सकता। राम-लक्ष्मण नहीं आएंगे। रावण ने रथ से नीचे देखते हुए सीता को अपनी ओर खींचा। सीता चली गई।

1378 सीता ने रावण के साथ क्या किया?

"रावण! अपने पापों को क्षमा कर दो,

और तुम राम के हाथों नहीं मरोगे।

1379. सीताम्मा ने प्रकृति से क्या पूछा?

"पक्षियों! पेड़ों! लैला! मैं, सीता, हाथ जोड़कर आपको नमस्कार करती हूँ। मुझे बचा लीजिए। मेरे स्वामी को बताओ कि मैं खतरे में हूँ।

1380. रावण का रथ किन स्थानों को पार करता था?

रथ गोदावरी नदी के पार जा रहा है।

1381. रथ से सीता को किसने देखा? जे. जाटव

1382 .में। सीता जटायु को देखकर क्या करती है? वह एक पेड़ के नीचे सोता है।

1383. सीता ने जटायु से क्या प्रार्थना की थी?

जे. "पक्षियों! जय हो! रावण ने मुझे उठा लिया। कृपया मुझे बचा लें।

1384. में। जटायु ने सीता को देखकर क्या किया?

जे. उन्होंने रथ में रावण के बगल में सीता को रोते हुए देखा।

उन्होंने हाथ जोड़कर तालियां बजाईं।

उसने उड़ने की कोशिश की।

वृद्ध होना संभव नहीं है।

फिर भी उसने कोशिश की।

1385. सीता ने जटायु के प्रयासों को देखकर क्या कहा?

जे. "बूढ़े आदमी। निहत्थे नहीं रावण से लड़ना आपके लिए नहीं है।

कम से कम राम को इस दुष्ट व्यक्ति द्वारा मेरे अपहरण की खबर बताएँ, बस इतना ही। "सीता ने कहा।

1386. सीता ने क्या कहा?

जे. यह बर्दाश्त नहीं हो सका। कितने लोगों की जान जा चुकी है? अगर ऐसा है तो कितना? वह अंतिम क्षण तक सीता को मुक्त करने के लिए रावण से लड़ना चाहता था। उसके पास सारी शक्ति थी। उसने अपने पंख फहराए और कूद पड़ा।

नोटः-उन्होंने तुरंत अपने पंख उठा लिए। हाथापाई में पेड़ की डालियां गिर गईं। जटायु रावण के सामने खड़ा था। उन्होंने गाड़ी रोक दी। रावण उसके सामने खड़ा था और आश्चर्य से देख रहा था कि पक्षी राजा ने अंधेरा भर दिया है। वह उठ खड़ा हुआ।

1387. में। रावण ने जटायु से क्या पूछा?

जे. आप कौन हैं? ठहराव क्या है? "उन्होंने पूछा।

1388. रावण ने क्या जवाब दिया?

जे. 1. "मुझे गीक कहा जाता है। मैं राम का मित्र हूँ। सीता को अकेला छोड़ दो, जब तक मेरे दिल में जीवन है, मैं तुम्हें जाने नहीं दूंगा। "उन्होंने कहा।

2. "तुम राम के बारे में नहीं जानते। वे इंद्र, यम, वरुण, सर्वभूत, विक्रमशाली, परम आत्मा के बराबर हैं। नहीं, सुनो मैं तुमसे क्यों कह रहा हूँ, सीता को अकेला छोड़ दो। "जाटव ने कहा।

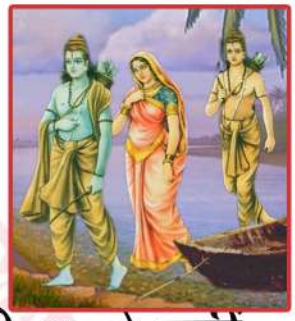

नोटः-रथचालक ने रथ को एक टट्टू के रूप में देखा। गाड़ी आगे नहीं बढ़ी। उन्होंने दोनों के हाथ पकड़कर उन्हें रोक दिया।

1389. जटायु ने रावण का क्या अपमान किया?

ए. अज्ञान! सीता का अपहरण करना एक जहरीले सांप को उसके गले में लपेटने जैसा है। जान लें कि राम आपको अपनी आँखों से मार डालेंगे! पाप के परिणाम भुगतने की कोई आवश्यकता नहीं है। "उन्होंने कहा।

रावण ने जटायु से क्या कहा?

"आपने कितनी बार ना कहा है? रावण को समझ नहीं आया। अगर वह गिरता है, तो वह पकड़ा नहीं जाएगा। "उन्होंने कहा।

1391. जटायु ने रावण से क्या कहा?

ए. युद्ध के लिए तैयार रहें। आप उम्र में हैं। आप मजबूत हैं। तुम्हारे पास बंदूकें और बंदूकें हैं। मैं बूढ़ा आदमी नहीं हूं, लेकिन मैं राम की ओर से धर्म के लिए तुमसे लड़ूंगा। आओ ", उसने कहा।

1392. रावण ने जटायु का अपमान क्यों किया?

उत्तरः यदि आप एक नागरिक हैं। मुझे क्या करना चाहिए.. आओ। "

वे दस चेहरे, बीस आंखें और बीस हाथों के साथ प्रकट हुए।

रावण ने जटायु पर हमला कैसे किया?

ए. जटायु ने अपने पंख फैलाए और आगे आए। रावण ने जटायु को रोकने के लिए धनुष उठाया। उन्होंने बहुत सारे तीर फेंके।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1394। जटायु ने रावण का सामना कैसे किया?

ए. जटायु ने आने वाले तीरों को चकमा दिया और रावण पर गरज की तरह गिर गया। उसका हाथ टूट गया। वह घायल हो गया।

1395. जब धनुष टूट गया तो रावण ने क्या किया?

उसे एक और मिला। उसने गोली चला दी। वह भाग निकला। उन्होंने फिर से रावण का धनुष काट दिया। उन्होंने न केवल धनुष को तोड़ा, बल्कि अपने कवच को भी खोल दिया। उन्होंने छायादार सफेद भेड़ों और ऊंटों और उन्हें पकड़ने वाले परिचारकों सहित सभी लोगों को नमन किया। उसने अपने नाखूनों से गदहे को और अपनी नाक से रथी को छेदा। उन्होंने रावण के रथ को जमीन पर खींच लिया।

1396. जब जटायु थक गया था तो वह कहाँ बैठा था?

जटायु ने आराम करने के लिए एक पेड़ में शरण ली। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं।

जब रथ टूट गया तो रावण ने क्या किया?

रावण ने सीता को पकड़कर जमीन पर फेंक दिया। जब जटायु आराम कर रहे थे, उन्होंने एक बार फिर सीता को पकड़ लिया और आकाश में उड़ गए।

1398. सीता जटायु को क्या कहती थी?

जब जटायु ने सीता का रोना सुना, "पक्षीराजा, पक्षीराजा", तो उसने अपनी आँखें खोलीं और उड़ गया। रावण ने उसे रोक दिया।

साथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1399. जटायु ने रावण से क्या कहा?

जवाबः शर्म करो! यह पलायन नहीं है। चुप न बैठें। राम के आने तक मत रुको। तब आपको पता चल जाएगा कि यह क्या है।

"जाटव ने कहा।

1400 है। जब रावण ने उनकी बात नहीं सुनी तो जटायु ने क्या किया?

उसने अपनी नाक से रावण के सिर पर घाव किया। उसने अपने जूते उतार दिए। उन्होंने सीता को पकड़े हुए सभी दस बाएं हाथों पर वार किया और सीता को रावण पर गिरा दिया।

1401. रावण और जटायु के बीच युद्ध कैसे हुआ?

जे. रावण ने सीता को नीचे उतारा। जटायु ने दोनों हाथों से मारा और उनके बीच कुछ समय के लिए लड़ाई हुई। रावण ने नीचे गिरी तलवार को ले लिया और उस पर आने वाले जटायु के पंखों को काट दिया। जब पंख टूट गए तो जटायु जमीन पर गिर गया।

1402. सीता ने क्या किया?

जे. सीता बहुत दुखी थी कि अंतिम आशा भी जमीन पर गिर गई थी। वह जटायु की ओर भागा और जटायु पर गिरकर रोया।

1403. आप सीता में क्या देखते हैं?

जे. आह, यह जटायु, जो मुझे बचाने आया था, वह भी इस दुष्ट के हाथों में पड़ गया था, और जटायु को यह देखे

बिना ही मार डाला था कि यह दुष्ट पक्षी है, हे राम! लक्ष्मण! कृपया मुझे बचा लें। "

1404. रावण ने सीता को कैसे प्रताड़ित किया?

उसने सीता को दूर से देखा। मैं उसके पास गया। सीता ने नहीं किया। रावण का हाथ पेड़ों के पीछे और तारों के पीछे छिपकर आगे-पीछे भागता रहा। रावण, जिसने धैर्य खो दिया था, ने लंबे बालों वाली सीता को पकड़ लिया। वह आगे बढ़ गया। अपनी तरफ एक मजबूत खिंचाव के साथ, सीता एक समाधि में आई, रावण को पहाड़ से ले गई और नीचे गिर गई। प्रकृति दंग रह गई। गैस बंद थी। सूरज की रोशनी कम हो गई थी। अंधेरा छा गया। दुनिया भर में बारिश होने लगी। जब रावण सीता को आकाश में ले गया तो उनकी क्या स्थिति थी? सीता के कपड़े हवा में उड़ रहे हैं। सीता के आभूषण फर्श पर बिखरे हुए हैं। सीता की आँखों में आँसू भर आए और उसके बाल झड़ गए। सीता के मुँह से राम शब्द के अलावा और कुछ नहीं निकलता।

1406. सीता ने रावण को क्या देखा?

"हे रावण! क्या आपको शर्म नहीं आती कि जब मेरे पति घर पर नहीं होते हैं, तो आप कुत्ते की तरह मेरे घर में प्रवेश करते हैं और चोर की तरह मेरा अपहरण कर लेते हैं? जब मैं अपने पति के साथ हूँ तो मुझे मत देखो! मेरा पति तुम्हें मारने जा रहा है! "रावण का कई तरह से अपमान किया जाता है।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1407. सीता को आकाश में घूमते किसने देखा?

उ. मैंने पम्पा नदी के पास एक पहाड़ी पर पाँच बंदरों को देखा।

1408. सीता ने क्या किया?

वानर सीता को सिर उठाकर देख रहे हैं। वे रो रहे हैं। सीता को उम्मीद थी कि वे निश्चित रूप से राम को उसकी स्थिति के बारे में सूचित करेंगे। जबकि टूटे हुए टूट गए, फिसलने वाले फिसल गए, सीता ने शेष गहने निकाले और उन्हें सींग से बांध दिया। सांप को बंदरों के सामने फेंक दिया गया।

1409. रावण सीता को किस दिशा में ले गया?

ए. रावण पंपा को पार कर दक्षिण की ओर चला गया।

नोटः यह नदियों, पहाड़ों, जंगलों और दीमक के समुद्र को पार करता है। वह लंका आया।

1409. जब रावण लंका गया, तो वह पहले कहाँ गया?

वह उसके घर गया।

1410. रावण पहली बार सीता को कहाँ ले गया था?

ए. वह सीता को अपने हरम के अंदर ले गया और उसे एक कमरे में रख दिया।

1411. रावण ने हरम में किसे बुलाया था?

उसने औरतों को बुलाया।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1412. रावण ने राक्षसी महिलाओं को क्या करने का आदेश दिया था?

"इस सुंदरता से सावधान रहें। किसी के पास न जाएँ। यदि आप भोजन, पेय, गहने, रत्न, जो कुछ भी मांगते हैं, उसे एक पल में दे दें। खुश रहें। हमारी सराहना की जानी चाहिए। "उन्होंने कहा।

1413. रावण ने राक्षसी महिलाओं को किस बारे में चेतावनी दी थी?

"आप में से कोई जानता है कि मैंने उसे जानबूझकर या अनजाने में, मौखिक रूप से या अन्यथा चोट पहुंचाई है। कोई भी जीवित नहीं रह सकता। "रावण ने पूछा। रावण वहाँ से चला गया।

1414 जब रावण राजस्थान आया तो उसने क्या सोचा था?

ए. रावण ने महसूस किया कि सार्वजनिक स्थान पर गति होना आवश्यक है। उन्होंने उन्हें बुलाया।

रावण ने राक्षसों से क्या कहा?

"अब मैं आपको एक ऐसा कार्य सौंपता हूँ जिसने मुझे कई लड़ाइयों में जीत दिलाई है। यह बहुत सावधानी से किया जाना चाहिए। "रावण ने कहा।

1416. रावण ने राक्षसों को क्या करने का आदेश दिया था?

उत्तरः "दंडक में हमारा शिविर लोगों के स्थान में प्रवेश कर गया और राम नाम के एक व्यक्ति ने खारा दुर्व्यवहारियों को मार डाला। वह मेरा दुश्मन बन गया है। उनका एक भाई भी है। उनका नाम लक्ष्मण था। आपको दोनों को देखना होगा और देखना होगा।

अमर

राम के मरने तक मैं खुश नहीं रहूंगा। उसे याद रखें और राम की प्रतिक्रिया को देखते हुए समय-समय पर मुझसे संपर्क करें। और अगर आप दोनों भाइयों को पाते हैं, तो उन्हें मार दें! उपहार प्राप्त करें। उस दिन दिकपालक को जीतने के लिए किए गए सभी प्रयासों को इस राम को जीतने के लिए यदि आवश्यक हो तो अपनाया जाना चाहिए। जाओ ", उसने कहा।

1417. ऐसी स्थिति में रावण खुश क्यों था?

जे. वह खुश था कि राम और लक्ष्मण को उसके द्वारा भेजे गए राक्षसों द्वारा मार दिया जाएगा, और सीता उसके अधिकार में थी।

1418. राजस्थान से रावण कहाँ गया?

जे. वह सीता को देखने के लिए अपने घर गया।

1419. रावण ने क्या किया?

जे. रावण सीता का हाथ पकड़ता है और उसे पूरा हरम दिखाता है।

1420. रावण ने सीता से क्या कहा?

जे. 1. "सुंदर! दुनिया में मेरे जैसा और कोई नहीं है। जब तुम मेरे साथ आए, तो तुमने समुद्र देखा। यह मेरा लंका राज्य है, सौ योजनों की भूमि है। इस राज्य में कई राक्षस हैं। वे सतर्क हैं और दिन-रात लंका की रखवाली कर रहे हैं।

2. यह देखने के बाद भी, भगोड़े और अल्पकालिक राजा राम के लिए शोक करना मूर्खतापूर्ण है। तुम इस जीवन में राम

को नहीं देख पाओगे। राम सपने में भी नहीं आते। हालाँकि, रामू अभी भी जीवित है। "रावण ने कहा।

3. "यहाँ तक कि देवी-देवता भी लंका नहीं आ सकते। मैं तुम्हें अपनी बाहों में नहीं छोड़ सकता। उन्होंने अपने जन्म में जो भी पाप किया था, वह पाप उस राम के साथ दंडक में चला गया है। और यह रावण, आपकी अच्छाई का फल, आपके सेवक के रूप में आपके सामने खड़ा था। मुझ पर दया करो, और मेरा पति बनो, और इन सभी धन पर, और इस राज्य पर, और मेरी पत्नियों पर शासन करो। आओ ", उसने कहा।

1421. सीता ने रावण से क्या कहा?

जे. सीताम्मा ने रावण के बीच में एक पुआल रखते हुए कहा, "राम धर्मात्मा हैं, लंबी बाजू वाले, चौड़ी आंखें वाले, वे मेरे पति हैं, मेरे भगवान हैं। रावण, जो इक्षु की जाति में पैदा हुआ और शेर का चेहरा रखता है, लक्ष्मण के भाई राम के हाथों अपनी जान गंवाने के लिए तैयार है। अगर आपने राम की उपस्थिति में मेरा इस तरह अपमान किया होता, तो क्या आप मेरे बगल में लेटे होते? आपका जीवन समाप्त हो जाएगा, आपका धन समाप्त हो जाएगा, आपका धैर्य समाप्त हो जाएगा, आपकी इंद्रियां भी समाप्त हो जाएंगी, आपका लंका शहर विधवा के रूप में खड़े होने के लिए तैयार है, यह सब भविष्य में खोने वाला है क्योंकि आपने क्या किया है

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

। क्या हंस, जो लगातार हंस के साथ खेलने का आदी है, हंस को पानी पर काई खाते हुए देखता है? मैं तुम्हें राम की आँखों से नहीं देख सकता।

1422. सीता के शब्दों को सुनकर रावण ने क्या सोचा?

जे. अब तक, उन्होंने सीता को अपनी संपत्ति दिखाई थी और आशा की थी, लेकिन सीता ने आत्मसमर्पण नहीं किया।

1423. रावण ने सीता को कितने महीने दिए? जे. 12 महीने

1424. रावण ने सीता से क्या कहा?

जे. "12 महीनों में, अगर आप अपना मन बदल लें और मेरे घर आएं, तो आप जीवित रहेंगे। अन्यथा, 12 महीने के बाद आपको मुझे नाश्ते के लिए दिया जाएगा।

1425. रावण ने राक्षसी महिलाओं से क्या कहा?

जे. "इस सीता को अशोकवन के पास ले जाओ", उसने कहा।

1426. रावण ने राक्षसी महिलाओं को क्या करने का आदेश दिया था?

जे. उसे आश्रम ले जाएँ। तुम उसके चारों ओर भयानक रूपों के साथ खड़े हो, उसे जीवित रहने के लिए भोजन और पानी देते हो, इस सीता को दांतों जैसे शब्दों से डराते हो और उसे मेरे रास्ते में लाते हो। इसे पहनो "।

नोटः-अगर लंका में सीता की हालत ऐसी है, तो राम उसे मारकर पर्णशाला लौट रहे हैं।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1427. आश्रम लौटते समय राम ने क्या दुर्भाग्य देखा?

राम दौड़ते हुए आश्रम आते हैं। लोमड़ियों और जानवरों की भीड़ राम के पीछे बेतहाशा गर्जना कर रही थी। बाएँ से दाएँ की ओर दौड़ना। राम को एहसास हुआ कि यह एक गलती थी। दर्द बुरा था।

1428 आश्रम जाते समय राम ने क्या सोचा था?

ए. "ओह, क्या आपने लक्ष्मण को मेरी सुरक्षा के लिए नहीं भेजा था, इस संदेह में कि चिल्लाहट मेरी थी और मुझे कोई खतरा था? क्या उस समय सीता को कोई राक्षस धमकी दे रहे थे? "उसने सोचा।

1429. राम का क्या अर्थ है?

उन्होंने कहा, "ये सभी राक्षस हैं। मारीचा, जो उस स्वर्ण महिला के रूप में थी, मुझे आश्रम से दूर ले गई। जब मैंने उसे तीर से मारा, तो वह मेरी आवाज़ में 'हा लक्ष्मण हा सीता' चिल्लाया। सीता ने लक्ष्मण को मेरी सुरक्षा के लिए भेजा होगा।

1430. राम के सामने कौन आया? लक्ष्मण

1431. लक्ष्मण को देखकर राम ने क्या कहा?

"लक्ष्मण! तुम क्यों चले गए? "उन्होंने पूछा। मुझे लगता है कि सीता खतरे में है। क्या सीता सुरक्षित है? क्या आप बचेंगे? मुझे विश्वास नहीं होता। राक्षसों ने मुझ पर हमला किया। किसी राक्षस ने सीता का अपहरण किया होगा या राक्षस को मार डाला होगा।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1432. राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. "मुझे अकेला मत छोड़िए! आपने गलती की है। "उन्होंने कहा। कल्पना भी नहीं की जा सकती! मैं सीता के बिना अपने जीवन की कल्पना नहीं कर सकता। अगर सीता को आश्रम में नहीं देखा जाता है... मैं आपको देख भी नहीं सकता। मैं मर जाऊँगा। आपके पास सितार क्यों नहीं है? अयोध्या जाओ! कैकम्मा आपको देखकर खुश होती है, जो अकेले लौट आए हैं, कि राम ने पीड़ा छोड़ दी है। लेकिन मेरी माँ कौन है? "राम ने कहा।

1433. लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. यह मेरी गलती नहीं है कि मैं तुम्हारे लिए यहाँ हूँ! मेरी सास ने मुझे तुम्हारे साथ नहीं रहने दिया। उसने आपकी बात नहीं सुनी, कि यह भगवान के राक्षस नहीं थे जो आपको नष्ट कर रहे थे। मेरी माँ ने मुझे जाने के लिए नहीं कहा। मैं तुम्हारे साथ मरने आया हूँ। मैंने भारत की योजना के हिस्से के रूप में आपका अनुसरण किया है। सीताम्मा ने मुझसे एक कठोर शब्द कहा, और मैं इसे और बर्दाश्त नहीं कर सकी और चली गई। क्षमा करें, मेरे साथ कुछ भी गलत नहीं है। "उन्होंने कहा।

नोटः दोनों आश्रम पहुँच चुके हैं। राम दौड़कर आंगन में गए और सीता की तलाश की। वह वहाँ नहीं है। यह भगवान के बिना एक मंदिर की तरह है। अंधेरा हो गया है।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1434 जब लक्ष्मण आश्रम आए तो राम ने उनसे क्या कहा?

"लक्ष्मण! इसकी उम्मीद थी। सीता नहीं रहीं! अलमारी में दिखाई नहीं देता है। "राम ने कहा।

लक्ष्मण ने राम से क्या कहा?

ए. ओह प्रिय! कौन से शब्द? " "लेकिन फूल तोड़ने या नहाने जाते हैं या हमें चिढ़ाने के लिए कहीं छिप जाते हैं।" हाँ ना? "नहीं, मैं यह नहीं कह सकता।

1436 भगवान राम ने पेड़ों और जानवरों के बारे में पूछा।

ए. पेड़ों, लताओं, हिरणों, पक्षियों, मडागों के पास जाकर कहो, 'क्या तुमने सीता को देखा है? क्या तुमने मेरी सीता को देखा है? 'वह रो रही थी।

1437 भगवान राम ने पूछा कि गोदावरी नदी का नाम क्या है?

"मां दुर्गा! क्या मेरी बहन तुम्हारे पास आई थी? क्या आपने देखा है? अगर आप इसे देखते हैं, तो मुझे बताएं! मैं पता लगाऊंगा कि यह कहाँ है। क्या आपने देखा है? अगर आप इसे देखते हैं, तो मुझे बताएं! मैं उन्हें देख लूंगा। "उन्होंने कहा।

1438. राम ने सूरज से क्या पूछा?

जवाबः "अजीब! मेरी बहन को क्या हुआ? तुम मुझे बताओ, पिता। क्या किसी ने सीता का अपहरण किया या उसे मार डाला? मुझे बताओ, पिता। "उन्होंने जवाब भी नहीं दिया।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1439. राम ने वायु से क्या पूछा?

राम ने पेड़ों को हवा में झूमते हुए देखा। "भगवान", वह चिल्लाया। "आप नहीं जानते। मेरी बहन को क्या हुआ? वह कहाँ है? मुझे बताओ पिता। उसने मुंह भी नहीं खोला।

1440. पंचभूतों का गोदावरी से क्या लेना-देना था?

'गोदावरी! मुझे रावण द्वारा सीता के अपहरण के बारे में बताएँ। हम दर्द नहीं देख सकते।

1441. राम ने क्या पूछा?

जे. पशुओं को घेर लिया गया है। मैंने कुछ कहने की कोशिश की। संकेत दिए गए। राम देख रहा है। उन्होंने उनमें से एक को लिया और उसे बंद कर दिया। "बोलो! मुझे बताओ कि मेरा शरीर कहाँ है। "उन्होंने उनसे पूछा।

1442. पशुओं ने किस दिशा में रामलक्ष्मण को रास्ता दिखाया?

जे. जैसा कि वे कह रहे थे, उन्होंने मोरों को उठाया और दक्षिण की ओर भागे। लक्ष्मण, जो अपने भाई से चिपके हुए थे, ने देखा कि जानवर दक्षिण की ओर भाग रहे थे

1443. लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. "अन्ना! मधुमक्खियों को दक्षिण की ओर जाने के लिए कहा जाता है। चलो चलते हैं! मुझे पता है कि मेरी माँ कहाँ है। "उन्होंने कहा।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1444. राम ने क्या कहा?

जे. राम के लिए लक्ष्मण के इस छोटे से शब्द ने आशाओं को जगाया। "लक्ष्मण! चलो दक्षिण की ओर चलते हैं।

1445. राम लक्ष्मण ने रास्ते में क्या देखा?

जे. सीता के सिर पर फूल थे।

1446. फूलों को देखकर राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! क्या आपने इन फूलों को देखा है? मैंने उन्हें सुबह जंगल से निकाला और सीता को दे दिया। उन्होंने अभी तक इसका इस्तेमाल नहीं किया है। अब ये फूल हमें रास्ता दिखा रहे हैं।

1447. राम ने पूछा कि पहाड़ क्या हैं?

जे. "हे पहाड़! आप सीता को जानते हैं। तुम्हें पता है कि तुम्हें वहाँ कौन ले गया था। अगर तुम मेरी बात नहीं सुनोगे, तो मैं तुम्हें अपने तीरों से कुचल दूंगा।

1448. राम लक्ष्मण ने कुछ दूर चलने के बाद क्या देखा?

जे. गीली जमीन पर पैरों के निशान देखे गए। सामने छोटे-छोटे पैरों के निशान और पीछे बड़े-बड़े पैरों के निशान थे।

1449. राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. उन्होंने कहा, "क्या ये आपकी बहनें हैं?

1450। राम-लक्ष्मणों ने सीता की खोज में अपने चारों ओर क्या देखा

जे. एक टूटा हुआ पहिया देखा गया।

बिक्री होती थी। राम ने उसकी ओर देखा। काले धब्बे दिखाई दे रहे थे। उसके चारों ओर खून के धब्बे थे। किसी का 'सारथी' भी नीचे गिर गया है, दुष्ट चेहरे वाले गदहे नीचे गिर गए हैं।

1451. राम ने क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! आप इन काले फूलों और खून की बूंदों को देखते हैं... यानी... दो राक्षस सीता के लिए एक-दूसरे से लड़ रहे थे। "उन्होंने कहा।

1452. लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. "अन्ना! यह सोना है। इसमें रत्न जड़े हुए हैं। यह भी सोना है, ये टूटे हुए खंभे देखें, ये भी सोने के हैं। "लक्ष्मण ने कहा।

1453 में। लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! इसकी उम्मीद थी। राक्षस सीता को ले गए। कोई शक नहीं। राक्षसी जाति के साथ हमारी शाश्वत शत्रुता है। "राम ने कहा।

1454. राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! इसके बारे में यहां हर कोई जानता है। लेकिन मुझे देवताओं या राक्षसों द्वारा यह नहीं बताया जा रहा है कि अगर मेरी सीता का पता नहीं चला और मेरी सीता को जीवित मुझे नहीं सौंपा गया, तो इस तीर से मैं मुल्लाओं को चोट पहुँचाऊंगा। "विलो राम उठ खड़ा हुआ।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1455। लक्ष्मण ने राम से क्या कहा?

जे. 1. "अन्ना! गोली किसने और क्यों चलाई, इसका पता नहीं चल पाया है। यहाँ कोई लड़ाई नहीं है। मुझे लगता है कि कोई लड़ रहा है। इसका कोई मतलब नहीं है कि आप सभी लोगों को उस बुराई के लिए सतायेंगे जो किसी ने की है। क्षत्रिय को शांत होना चाहिए। गहराई से सोचें। दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। आप उन्हें नहीं कर रहे हैं, है ना? "

तुम सामान्य नहीं हो! याद रखें कि आपके पिता ने आपके लिए क्या किया था। तुम्हारे पिता को स्वर्ग में ले जाया गया था क्योंकि वे तुम्हें नहीं छोड़ सकते थे क्योंकि तुम्हारे गुण और तुम्हारी शांति महान थी। आप, परम-दयावान, सर्व-शांत, सर्व-रक्षक, अपने प्राकृतिक गुणों को कैसे त्याग सकते हैं? अगर आप अकेले दुनिया को नष्ट करना चाहते हैं, तो आपको कौन रोकेगा? आपके लिए उन लोगों से गुस्सा होना गलत है जो निर्दोष हैं और किसी भी पाप को नहीं जानते हैं! आपको दुश्मन से नफरत करनी चाहिए। आपको दुश्मन बनना होगा। यह याद रखें। "लक्ष्मण ने कहा।

1456. लक्ष्मण के शब्दों को सुनकर राम की स्थिति कैसी थी?

लक्ष्मण के शब्द राम पर काम नहीं करते थे। कुछ समय के लिए, उन्होंने दुनिया को परेशान करने के कार्यक्रम को रोक दिया, लेकिन उन्होंने सीता के बारे में शोक करना बंद नहीं किया।

राम की हालत बिगड़ गई है। उसने अपनी मानसिक शक्ति खो दी। जब लक्ष्मण ने राम की स्थिति देखी, तो उन्होंने उन्हें आश्वस्त करने की कोशिश की।

1457. लक्ष्मण ने राम को किसके कष्टों का वर्णन किया?

दशरथ, ययाति, नहुष, वशिष्ठ, भूदेवी, सूर्य, चंद्र, इंद्र, देवताओं के प्रमुख आदि।

1458. वशिष्ठ के बेटों की मृत्यु कैसे हुई?

विश्वामित्र के क्रोध में वसिष्ठ के सौ पुत्रों की मृत्यु हो गई।

1459. लक्ष्मण ने धैर्यपूर्वक राम से क्या कहा?

"जल्दी मत करो! आप और मैं धैर्यपूर्वक जंगलों, पहाड़ों और नदियों की खोज करेंगे। मदद और सलाह के लिए पूछें। अगर वह अभी भी उसे नहीं देखती है, तो भगवान आपको दया नहीं देते हैं तो संकोच न करें। चलो दुनिया को बर्बाद करते हैं। "लक्ष्मण ने कहा।

राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

क्रोध से छुटकारा पाएं और कहें, "लक्ष्मण! आप जो कह रहे हैं वह सही है। लेकिन अगर आप मुझे नहीं देखते हैं तो मैं आपके बिना नहीं रह सकता। इन पहाड़ों में कई गुफाएँ और गुफाएँ हैं। आइए जानते हैं कि सीता कहाँ है। "रामकृष्णन ने कहा।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1461. सीता की खोज में राम लक्ष्मण को कौन प्रकट हुआ?

जे. जटायु

1462 में। राम ने क्या किया?

जे. जो राक्षस के रूप में है उसे इस पक्षी का रूप मिला है। जब लक्ष्मण और मैं चले गए, तो इस पार्टी ने सीता को खा लिया। मुझे इस पर विश्वास था और अब इसने मुझे खतरे में डाल दिया है। तो अब मैं जटायु के इस शरीर को तोड़ने जा रहा हूँ।

1463. राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! अदुगो वह राक्षस है जिसने सीता का अपहरण किया और उसे खा लिया। मैं उसे मार दूंगा जो बेकार बैठा है और सीता को खा रहा है। "उन्होंने उत्साह से कहा।

1464. में। जटायु ने लक्ष्मण को कैसे बुलाया?

जे. मैं कोई राक्षस नहीं हूँ! तुम्हारे पिता के दोस्त। मैं सीता को जानता हूँ। "वह चिल्लाया।

1465. जटायु की हालत कैसी थी?

ए. पंख टूट गए हैं और पूरा शरीर खून से लथपथ है वह खून की तरह है। वह मृत्यु से पीड़ित है।

1466 में। भगवान राम ने क्या पूछा?

"... क्या बात है? क्या बात है", राम ने पूछा।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1467. जटायु ने रामलक्ष्मण से क्या कहा?

"राम, रावण ने तेरी पत्नी सीता को मार डाला है। उन्होंने मेरी जान भी बचाई। "जाटव ने कहा। राम! जब सीता, जो तहखाने में अकेली थी, रावण द्वारा आकाश में ले जाई जा रही थी, तो मैंने सीता के रोने की आवाज सुनी और उसे रोक दिया। मैंने उससे लड़ाई की। मैंने उसका रथ, उसका रथ और उसका रथ फाड़ दिया। मैं भी बुरी तरह घायल हो गया था। लेकिन रावण अधिक शक्तिशाली और शक्तिशाली था। मैंने वह खो दिया। रेवेन ने मेरे पंख काट दिए। उन्होंने मेरे पैर भी देखे। उन्होंने मुझे धक्का दिया और सीता के साथ चले गए। "जाटव ने कहा।

1468. जटायु ने पीड़ा में राम से क्या पूछा?

"क्या तुम मुझे भी मारना चाहते थे, जिसने सीता को बचाने के प्रयास में अपने पंख खो दिए और एक कुएं में गिर गया? "उन्होंने पूछा।

राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

"मैं कितना भाग्यशाली हूँ! मैंने राज्य खो दिया। मैंने अपनी पत्नी को खो दिया। और अब मैं एक दोस्त खो रहा हूँ। नहीं नहीं! नहीं नहीं! ऐसी कोई पीड़ा नहीं है। मैं इस दर्द को बर्दाश्त नहीं कर सका और मैं समुद्र में कूद गया और मर गया। ऐसा लगता है कि यह भी दूर जा रहा है। "उन्होंने कहा।

1470. राम ने क्या माँगा?

जे. "सीता ने रावण को क्यों मारा? सीता कहाँ गई?

रावण कहाँ था? "उन्होंने पूछा।

1471. राम ने लक्ष्मण से क्या कहा जब उन्होंने जटायु के अंतिम भाग को देखा?

जे. "लक्ष्मण! जटायु हमें कुछ बताना चाहता है, लेकिन वह यह कहने में असमर्थ है। उसकी आवाज़ फीकी पड़ रही है। "उन्होंने कहा।

1472. राम ने क्या जवाब दिया?

जे. "हे राम! रावण सीता को दक्षिण की ओर ले गया। लेकिन जब दुष्ट उसका अपहरण कर लेता है, तो आपको अपनी सीता मिल जाएगी। रावण आपके हाथों में मर जाएगा। आप सीता के साथ अयोध्या पहुंचेंगे। आपके साथ सब ठीक रहेगा। "उन्होंने कहा।

1473. उसकी मृत्यु कब हुई?

जे. उन्होंने राम से कहा कि रावण विश्राम का पुत्र है। वह उसका भाई था... ", उसने अपना सिर हिलाते हुए कहा। मुँह खोलकर वह जमीन पर गिर पड़ा।

जटायु की मृत्यु के बारे में राम ने लक्ष्मण को क्या बताया?

"लक्ष्मण! जटायु ने साबित किया कि परोपकार न केवल मनुष्यों में बल्कि पक्षियों में भी मौजूद है। आइए हम इस बलिदान का वैज्ञानिक तरीके से अंतिम संस्कार करें। "राम ने कहा।

1475. जब जटायु का अंतिम संस्कार किया जा रहा था तब राम ने क्या कहा था?

जवाबः अरे हां! हो सकता है कि आप उन गुणी दुनियाओं को प्राप्त करें जो युद्ध में मारे गए लोगों को प्राप्त हों, और हो सकता है कि आप उन अच्छी दुनियाओं को प्राप्त करें जिनका मेरे हाथों अंतिम संस्कार किया गया है।

1476. जटायु ने लक्ष्मण को कैसे गर्भ धारण कराया?

उ. रोही मांस को उबला जाता है। (रोही एक जानवर का नाम है, जटायु ने मांस खाया, इसलिए वह उस जानवर के मांस से गर्भवती हो गया)

1477. जटायु को पिंड चढ़ाने के बाद रामलक्ष्मण ने किस नदी में स्नान किया था? गोदावरी नदी

1478. लक्ष्मण किस दिशा में गए थे? ए. द साउथ

1479. लक्ष्मण ने किस जंगल को पार किया था? ए. साहस।

1480. राम-लक्ष्मण किसके आश्रम की ओर जा रहे हैं?

ए. मठ। उनके बीच में एक पहाड़ था।

1481. लक्ष्मण ने पहाड़ पर क्या देखा?

जे. रामलक्ष्मण ने पहाड़ के पास एक गुफा देखी और वह गुफा अंधेरे से भरी हुई थी। राम और लक्ष्मण गुफा में गए।

1482. राम लक्ष्मण ने गुफा में किसे देखा था?

जे. उस गुफा में उन्होंने एक विकृत रूप वाला राक्षस देखा।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1483. राक्षस का नाम क्या है? जे. उलझन में

1484 में। शरीर का आकार क्या है?

जे. पेट नीचे खिसक जाता है और विकृत रूप धारण करता है।

1485. कौन मोह में है? जे. लक्ष्मण

1486. लक्ष्मण के बारे में क्या?

जे. "आप जवान हैं, आप अच्छे हैं। आइए हम इन पहाड़ों पर खेलते हैं।

1487. में। लक्ष्मण ने अयामुखी को कैसे दंडित किया?

जे. लक्ष्मण ने तुरंत अपनी तलवार निकाली और उसकी नाक, कान और स्तन काट दिए। अयोमुखी तब रोते-बिलखते गुफा में भाग गया।

1488. कुछ दूरी की यात्रा करने के बाद लक्ष्मण ने राम से क्या कहा?

जे. "भाई! कई खामियां हैं। कुछ बहुत डरावना। उन्होंने कहा कि हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।

1489. लक्ष्मण ने किस पक्षी की आवाज़ सुनी?

जे. पक्षियों की चहचहाहट सुनाई दी।

1490. पक्षी का क्या अर्थ है?

जे. जो कोई भी इस पक्षी की आवाज़ सुनेगा वह पराजित हो जाएगा, लेकिन सबसे भयानक युद्ध होगा।

1491. राम लक्ष्मण ने किसे आगे बढ़ते देखा था?

जे. एक ज़ोर की आवाज़ सुनाई दी।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

जब राम-लक्ष्मण ने देखा कि यह ध्वनि क्या है, तो उन्होंने सृष्टि में राक्षसों का एक रूप देखा जिसे सुना नहीं जा सकता था।

1492. राम का राक्षस कौन है? जे. रिश्तेदार

1493. शरीर का आकार क्या है?

जे. शरीर बड़ा है। शरीर में आंखें और कान होते हैं। न मैं हूं, न मैं हूं। हाथ हैं। हाथ बहुत लंबे होते हैं। राक्षस को लंबी बाहों वाला जानवर मिलता है। वह उन्हें खाता है।

1494। जब उन्होंने राम और लक्ष्मण को देखा तो बंधु ने क्या किया?

जे. उसने राम को अपने दोनों हाथों से पकड़ लिया।

1495. लक्ष्मण ने राम से क्या कहा?

जे. "हे राम! यह राक्षस मुझे खाने वाला है। कम से कम आप इससे बच नहीं पाएंगे। तुम्हें सीता मिल जाएगी। "उन्होंने कहा।

1496.। लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! मजबूत रहो, मैं इसे ले लूंगा। "उन्होंने कहा।

1497. में। राम के शब्दों से बंधू को आश्चर्य क्यों हुआ?

जे. अपने हाथों में पकड़े जाने के बाद भी, कबन्धु को आश्चर्य हुआ जब राम ने साहसपूर्वक बात की।

1498. उसने राम से क्या कहा?

जे. "आप लोग कौन हैं? तुम इस देश में क्यों आए? आज तुम मेरे भोजन बनोगे। मैं एक राक्षस हूँ,

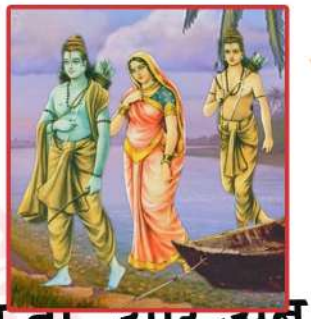

मुझे डाकू कहा जाता है। तुम यहाँ रेगिस्तान में क्यों आए हो, और अब मैं तुम दोनों को खा जाऊँगा?

1499. राम ने लक्ष्मण से क्या कहा?

जे. "लक्ष्मण! फिर भी, यह हमारे लिए मुश्किल है। सीता, जो सीता को ढूंढ रही थी, प्रकट नहीं हुई, अभी वह हमारे जीवन में आई है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितना समय बीत गया! "उन्होंने कहा।

1500.। राम ने क्या कहा?

जे. "आप क्या देख रहे हैं?" "भगवान ने तुम दोनों को आज मेरे पास भेजा है।" चाहे आप कितनी भी कोशिश करें, आप इससे बच नहीं सकते। आज तुम्हें मुझे खाना नहीं देना है। "उन्होंने कहा।

1501. लक्ष्मण ने क्या कहा?

जे. "हे राम! तुम अपनी सारी ताकत ले लो, और अपनी तरफ के हाथ को कुचल दो, और मैं इस तरफ के हाथ को कुचल दूंगा। सारी शक्ति आपके हाथ में है। इसलिए वह हमारा कुछ नहीं कर सकता। "उन्होंने कहा।

नोटः उन्हें तलवार मिली। राम राक्षस बन गए। दोनों ने एक साथ हाथ मिलाया। उसके दोनों हाथ पेड़ों की तरह जमीन पर गिर गए। खून बह रहा था। वह दर्द सह नहीं पा रहा था। वह रुक गया।

1502. राम ने क्या पूछा?

जे. "तुम कौन हो? आप कहाँ हैं? "उन्होंने पूछा।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1503. लक्ष्मण ने क्या जवाब दिया?

जे. "हम मुसलमान हैं। हमारा अयोध्या है। हम एक कारण से जंगल में रहते हैं। मेरे भाई की पत्नी का रावण नाम के एक राक्षस ने अपहरण कर लिया था। जब हम सीता की तलाश कर रहे थे, तो हम आपके हाथों में पकड़े गए, और आपकी बाहों को सुरक्षा के लिए बांध दिया गया। "उन्होंने कहा।

1504. लक्ष्मण ने कबन्धु से क्या पूछा?

"मुझे बताओ कि तुम कौन हो और तुम्हारी कहानी क्या है। "उन्होंने पूछा।

1505. कैदी किसका बेटा है? जे. वह धनु का पुत्र है।

1506. कैदी ने किसके लिए प्रायश्चित किया? जे. ब्रह्मा

1507. ब्रह्म-बंधु को क्या वरदान दिया गया था?

उन्होंने एक लंबा जीवन दिया।

1508. एक कैदी गर्व के साथ क्या करता है?

जे. कामरूप। वह जो चाहे पहन सकता है। उस गर्व के साथ, वह चंचल और कुरूप हो गया, और ऋषियों और जंगल के निवासियों को सताने लगा।

1509. कैदी ने अपने विकृत रूप से किसे डराया?

ए. ग्रितासिर नामक ऋषि उनके विकृत रूप से बहुत डर गए थे।

1510. ग्रितासिर ने कबन्धु को क्या शाप दिया?

'अरे बदमाशी! यह आपका रूप होगा। 'उन्होंने कहा।

1511. कैदी ने क्या माँगा?

'मां! चूक गए। मैं आपसे क्षमा चाहता हूँ। मुझे बाहर निकलने का रास्ता बताओ। "वह घुटनों पर गिर पड़ा।

1512. कभंदा द्वारा निर्धारित अभिशाप की माफी का तरीका क्या है?

उन्होंने कहा, "जब भगवान राम आपके हाथ काटेंगे और आपको जला देंगे, तो आपको आपका मूल रूप मिल जाएगा।"

1513. मुनिशपम के बाद कैदी ने युद्ध में किसे आमंत्रित किया था?

जे. इंद्र

1514. इंद्र ने कैदी को कैसे दंडित किया?

जे. इंद्र ने वज्र से कबंध के सिर, जांघों और पैरों को उसके पेट में मारा।

1515. इंद्र ने क्या कहा?

जे. "इंद्र! मुझे इस तरह का खाना कैसे मिलेगा? कैसे जीना है? "उन्होंने पूछा।

1516. इंद्र ने अपना भोजन कमाने के लिए क्या किया?

जे. उन्होंने अपना मुँह अपने पेट पर रखा और अपनी आँखें बंद कर लीं। उन्होंने उन्हें भोजन लेने के लिए लंबी भुजाएँ दीं।

1517. इंद्र ने क्या कहा?

जे. "उन्होंने कहा," "यदि राम-लक्ष्मण आपके हाथों की निंदा करते हैं और आपको नष्ट कर देते हैं,

तो उस दिन आप दिव्य दुनिया को प्राप्त करेंगे।"

1518. राम ने क्या माँगा?

जे. "हे राम! कोई मुझे मारने या चोट पहुँचाने वाला नहीं है। यह आपका ही होगा। मुझे आपके हाथों में मरकर खुशी हो रही है। सूरज डूबने से पहले मुझे जला दो। अगर आप मुझे बताएँ कि समस्या क्या है, तो मैं आपकी मदद करूँगा। "उन्होंने अनुरोध किया।

1519. राम ने कबन्धु से क्या कहा?

ए. "जब मैं अपने भाई के आश्रम में नहीं था, तो रावण नाम का एक राक्षस मेरी पत्नी को ले गया। हमें उस दानव के बारे में बताएं और हम आपको राहत देंगे। "उन्होंने कहा।

1520 .कैदी ने राम से क्या कहा?

"हे राम! मेरे पास कोई दृष्टि नहीं है। इसलिए मैं आपको उस राक्षस के बारे में नहीं बता सकता। लेकिन मैं आपको उन लोगों का विवरण बताऊंगा जो आपको सीता के बारे में जानकारी दे सकते हैं। "उन्होंने कहा।

1521. लक्ष्मण ने शरीर का क्या किया?

जे. उसके चचेरे भाई की इच्छा के अनुसार, उसे एक गड्ढे में फेंक दिया गया और सूखी लकड़ी से जला दिया गया।

1522. शरीर से कौन निकला?

जे. कुछ देर बाद गुफा से एक भूत बाहर आया।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

उन्होंने हाथ जोड़कर राम को नमन किया।

1523. राम से कौन दोस्ती करना चाहता है? जे. सुग्रीवा

1524. सुग्रीव कौन है? जे. भाई का भाई।

1525. वली का जन्म विषय के साथ हुआ था | जे. इंद्र

1526. सुग्रीव का जन्म किसके रूप में हुआ था? जे. सूरज की

1527. सुग्रीव के पिता कौन हैं? जे. राक्षस

1528. में। सुग्रीव की पत्नी का अपहरण किसने किया? जे. वली

1529. सुग्रीव की पत्नी कौन है? जे. रूमा

1530. सुग्रीव कहाँ रहता है? जे. पहाड़ पर

1531. ऋष्यमुख पर्वत किस नदी के पास स्थित है? जे. को भेजा गया

1532. तुम राम से क्या कहते हो?

जे. "हे राम! पूरी दुनिया इस मुसीबत में फंसी हुई है। उसे पता है कि वह दुनिया में कहां है। यदि आप उसे एक दोस्त के रूप में लेते हैं, तो वह आपके लिए सभी दिशाओं में वानर नायकों को भेज सकता है और सीता के ठिकाने का पता लगा सकता है। "उन्होंने कहा।

1533. राम के विचारों को देखकर तेजमूर्ति ने क्या कहा?

जे. "हे राम! वह क्या हासिल करता है? वह कितना शक्तिशाली है? इसकी चिंता न करें। कृपया मेरी बात सुनें। जाओ और सुग्रीव से दोस्ती करो। आपके साथ सब ठीक रहेगा। "उन्होंने कहा।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1534. राम सुग्रीव से मिलने किस दिशा में गए थे?

जे. पश्चिम दिशा

1535 में। पश्चिम की ओर जाने का रास्ता क्या है?

जे. यहाँ कई पेड़ हैं। इन पेड़ों के फल साधारण नहीं होते, ये बहुत मीठे होते हैं। अगर आप उन फलों को खाते हैं और आगे बढ़ते हैं, तो कुछ फल आएंगे। हमें इन सब से आगे बढ़ना होगा।

1536. जंगल पार करने के बाद झील क्या है? जे. पम्पा झील

1537. पम्पा झील के पास कौन से पक्षी रहते हैं?

जे. मेंढक, साँप, छिपकलियाँ वहाँ पक्षी हैं।

1538. पम्पा जंगल में कौन रहता था?

जे. शिष्य जीवित रहे।

1539. में। पम्पा के पेड़ों के बारे में क्या अनूठा है?

जे. जब मथंगमुनी के शिष्य फल, फूल और फल लाए जिनकी उनके शिक्षक को आवश्यकता थी, तो उनके शरीर से पसीने के कारण फलों के पेड़ और फूलों के पौधे जंगल में अंकुरित हो गए। इन पेड़ों पर लगे फूल कभी नहीं मुरझाएंगे।

1540. शिष्य कौन हैं? जे. साबरी

1541. पम्पा झील के पश्चिम की ओर किसका आश्रम स्थित है?

जे. धर्म

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1542. पम्पा झील के बगल में कौन सा पर्वत है?

जे. ऋष्यमुख पर्वत

1543. पहाड़ को किसने बनाया? जे. ब्रह्मा

1544 में। माउंट रुस्यमुख की विशेषताएँ क्या हैं?

जे. जो लोग उस पहाड़ पर सोते हैं, उन्हें वह मिलता है जो वे जागने पर अपने सपनों में देखते हैं। जिनके मन में बुरे विचार होते हैं, वे पहाड़ पर नहीं चढ़ सकते। जब वे सोते हैं तो राक्षस उन्हें मार देते हैं।

1545. ऋष्यमुख पर्वत पर गुफा में कौन रहता है? जे. सुग्रीवा

1546. उनके कितने अनुयायी हैं? जे. चार.

1547 में। कबंद ने राम को सुग्रीव की महानता के बारे में क्या बताया?

जे. "राम जानते हैं कि सूर्य की किरणें पृथ्वी पर कितनी दूर गिरती हैं, कितने पहाड़ हैं, कितनी गुफाएं हैं, उन गुफाओं में कौन रहता है, वे कहाँ रहते हैं, वे कहाँ शासन करते हैं, उनकी वंशावली क्या है। इसलिए ऐसे व्यक्ति से दोस्ती करें। "कहकर वह चला गया।

नोटः-राम लक्ष्मण चले गए और मातंग महर्षि के आश्रम पहुंचे। तब मातंग महर्षि के शिष्य सबरी राम लक्ष्मण को देखकर गबागबा बाहर आए और उनके पैर पकड़ लिए। उन्हें भोजन, कपड़े आदि जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की गईं।

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1548 में। राम ने क्या कहा?

जे. क्या आप वैध जीवन जीने, वैध भोजन करने, तपस्या करने और अपने गुरुओं की कृपा बनाए रखने में सक्षम हैं?

1549 .में। राम को साबरी का क्या जवाब था?

"हे राम! जिस दिन मैंने तुम्हें देखा, मेरी तपस्या तैयार थी। मैंने अपने गुरु मातंग महर्षि के शिष्यों के साथ तपस्या भी की। जब आप चित्रकूट पर्वत पर थे, तो हमारे सभी गुरु दिव्य स्तरों पर चढ़ गए और सर्वोत्तम दुनिया में चले गए। जैसे ही वे जा रहे थे, उन्होंने मुझसे एक शब्द कहा, 'महान रामचंद्र मूर्ति इस आश्रम में आएंगे। फिर जब आप उनका स्वागत कर लेंगे तो आप उस जगह नहीं लौटेंगे जहाँ हम थे। और यही कारण है कि मैं यहां हूं।

1550. तक। क्या साबरी ने रामलक्ष्मण को भोजन कराया था?

ए. उन्होंने फलों और शहद को इकट्ठा किया, जो पम्पा नदी के तट पर पाए जाने वाले खाद्य पदार्थ हैं और उन्हें राम लक्ष्मण को अर्पित किया।

1551. राम ने साबरी से क्या कहा?

"अ! मैं आपके गुरूदेव की महिमा देखना चाहता हूँ। "राम ने पूछा।

1552. में। सबरी ने राम लक्ष्मण को कौन से दृश्य दिखाए?

साबरी ने राम लक्ष्मण का अनुसरण किया और आगे बढ़े। "यह जगह जानवरों, पक्षियों और पौधों से भरी हुई है। यह सब उनका जादू है। यह तो है! हमारे गुरूदेव इन चबूतरे को सजाने के लिए पूजा करते थे।

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

1548 में। राम ने क्या कहा?

जे. क्या आप वैध जीवन जीने, वैध भोजन करने, तपस्या करने और अपने गुरुओं की कृपा बनाए रखने में सक्षम हैं?

1549 में। राम को साबरी का क्या जवाब था?

"हे राम! जिस दिन मैंने तुम्हें देखा, मेरी तपस्या तैयार थी। मैंने अपने गुरु मातंग महर्षि के शिष्यों के साथ तपस्या भी की। जब आप चित्रकूट पर्वत पर थे, तो हमारे सभी गुरु दिव्य स्तरों पर चढ़ गए और सर्वोत्तम दुनिया में चले गए। जैसे ही वे जा रहे थे, उन्होंने मुझसे एक शब्द कहा, 'महान रामचंद्र मूर्ति इस आश्रम में आएंगे। फिर जब आप उनका स्वागत कर लेंगे तो आप उस जगह नहीं लौटेंगे जहाँ हम थे। और यही कारण है कि मैं यहां हूं।

1550. तक। क्या साबरी ने रामलक्ष्मण को भोजन कराया था?

ए. उन्होंने फलों और शहद को इकट्ठा किया, जो पम्पा नदी के तट पर पाए जाने वाले खाद्य पदार्थ हैं और उन्हें राम लक्ष्मण को अर्पित किया।

1551. राम ने साबरी से क्या कहा?

"अ! मैं आपके गुरूदेव की महिमा देखना चाहता हूँ। "राम ने पूछा।

1552 में। सबरी ने राम लक्ष्मण को कौन से दृश्य दिखाए?

साबरी ने राम लक्ष्मण का अनुसरण किया और आगे बढ़े। "यह जगह जानवरों, पक्षियों और पौधों से भरी हुई है। यह सब उनका जादू है। यह तो है! हमारे गुरूदेव इन चबूतरे को सजाने के लिए पूजा करते थे।

जब वे उपवास और बुढ़ापे के कारण समुद्र में स्नान नहीं कर सके, तो वे सप्तसमुद्र आए और यहाँ तीर्थयात्री बन गए। 'यही तो है।

सबरी राम को क्या हुआ?

"अगर आप मुझे अनुमति देंगे, तो मैं इस शरीर को छोड़ दूंगा और अपने गुरूदेव के पास जाऊंगा। "उसने कहा।

1554. साबरी ने अपनी यातना कैसे सहन की?

आग बुझाई गई। पाचन में खलल पड़ता है। कुछ समय बाद, आग से एक शरीर दिखाई दिया और आकाश में उड़ गया। आसमान आ गया है।

राम ने लक्ष्मण से क्या कहा जब उन्होंने एक हिरण को बाघ का पीछा करते देखा?

ए. 1. उन्होंने कहा, "मातंग महर्षि की महिमा बहुत महान है। इस दुनिया को छोड़ने के वर्षों बाद भी उनका प्रभाव इस जगह से नहीं निकला है। क्या आपने देखा है? कैसे बाघ और हिरण खेलते हैं, प्राकृतिक शत्रुता छोड़ते हुए! "उन्होंने कहा।

2. "यह कौन सी जगह है? मेरा भी मूड अच्छा है, लक्ष्मण! ऐसा माना जाता है कि सीता की पहचान जानी जा सकती है। "राम ने कहा।

नोटः-इस तरह बात करते हुए दोनों भाइयों ने आम और केले के पेड़ों के बीच से यात्रा की और लाठियों से भरी तोपों के माध्यम से तीर्थयात्रा पर पहुंचे। स्नान करें। छोड़ दिया गया। उन्होंने पानी पिया

Shrimad Ramayanm -

अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

और तरोताजा और ऊर्जावान हो गए।

ऋषि ने मार्ग का नेतृत्व किया।

अरण्यकांड का अंत

Sri. Chinna.c. Amaranath
Punganur(Pulinadu),Chittoor-517247
Andhra pradesh
South India
Mobile:- 9596483440
Email:-
BHAGAVATHAMAR@GMAIL.COM

WWW.SANATANADHARM.COM

अमरनाथ अमर

Shrimad Ramayanm -
अयोध्याकांड प्रश्न और उत्तर

Shrimad Ramayanm -
अरण्यकांड - प्रश्न और उत्तर

ॐ

Ramayanam

अमरनाथ अमर